पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

स्वीटी के रोल में फिर नजर आएंगी श्रिया

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 45 | अंक : 260 | सोमवार 12 जनवरी 2026 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. | Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas | ulhasvikas@gmail.com | GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

epaper.ulhasvikas.com

मनपा चुनाव में युवाओं की भूमिका अहम

उल्हासनगर. गड्ढों पर चलने वाली और सपने तलाशने वाली पीढ़ी, बिना मैदान के बड़े होने वाले खिलाड़ियों और मौकों की कमी के कारण शहर छोड़ने वाले युवाओं के तौर उल्हासनगर की पहचान बन गई है. मनपा चुनाव को लेकर शहर के युवाओं में ज़बरदस्त नाराज़गी है.युवा ज़ोर देकर कह रहे हैं कि सड़क, हेल्थ, एजुकेशन, स्पोर्ट्स, रोज़गार हर मोर्चे पर नाकामी दोहराई जा रही है।

उल्हासनगर महानगर पालिका चुनाव के बैकग्राउंड में शहर के युवाओं में ज़बरदस्त नाराज़गी है। शहर का विकास सिर्फ़ कागज़ों और नारों तक सीमित रह गया है, और असल में उल्हासनगर पर युवाओं का आरोप है कि यह एक पिछड़ा शहर बनता जा रहा है। आज उल्हासनगर में सड़कों की हालत गड्ढों के जाल जैसी हो गई है। सुरक्षित सफ़र सिर्फ़ एक सोच है। शहर में अच्छे पब्लिक प्लेग्राउंड न होने की वजह से बच्चों से लेकर युवाओं तक, सभी को स्पोर्ट्स के

लिए प्राइवेट टर्फ पर पैसे खर्च करने पड़ते हैं। पुलिस और आर्मी में भर्ती की तैयारी कर रहे युवा सड़कों पर दौड़ते दिखते हैं। क्योंकि प्रैक्टिस के लिए कोई तैयार ग्राउंड नहीं है।

शहर का इकलौता स्विमिंग पूल कॉन्ट्रैक्टर को दे दिया गया है, जिससे आम युवाओं के लिए यह महंगा हो गया है। डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल होने के बावजूद, ज़रूरी मेडिकल सुविधाएं, एक्सपर्ट डॉक्टर और अपडेटेड इलाज का सिस्टम नहीं है, इसलिए गंभीर मरीजों को प्राइवेट हॉस्पिटल का रुख करना पड़ता है, जो नाम के लिए ही हैं, और युवाओं के हिसाब से हेल्थकेयर 'सेकेंडरी' हो गई है।

एजुकेशन के मामले में भी हालात कुछ खास अलग नहीं हैं। सरकारी स्कूल और कॉलेज की कमी, मॉडर्न एजुकेशन सुविधाओं की कमी, स्पोर्ट्स या कॉम्पिटिटिव एग्जाम में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए एक भी काबिल ट्रेनिंग सेंटर की कमी, ये सब शहर के युवाओं के सपनों का दम घोंट रहे हैं। जब MIDC से पानी की सप्लाई बंद हो जाती है, तो पूरा शहर प्यासा रह जाता है, यह एक ऐसी समस्या है जिसका हल आज भी नहीं निकला है।

उल्हासनगर में अधिकांश उम्मीदवार करोड़पति

- उद्धव सेना, MNS के उम्मीदवार लखपति

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव मैदान में आधे से ज़्यादा उम्मीदवार करोड़पति हैं। BJP की हेमा पिंजानी 93 करोड़ रुपये की मालकिन हैं, जबकि शिंदे सेना के राजेंद्र सिंह भुल्लर 57 करोड़ रुपये के मालिक हैं। कांग्रेस के विजय ठाकुर के पास 38 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में सत्ता के लिए BJP और शिंदे सेना गठबंधन के बीच खींचतान चल रही है। महाविकास अघाड़ी ने भी सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारकर अपनी जगह बनाई है। कुछ जगहों पर लोकल साई पार्टी और वंचित बहुजन अघाड़ी मज़बूत हैं। BJP और शिंदे

सेना के पास सबसे ज़्यादा करोड़पति उम्मीदवार हैं, जबकि कांग्रेस, उद्धव सेना और MNS के पास लखपति उम्मीदवार हैं।

आयलानी की पत्नी की संपत्ति 44 करोड़

BJP MLA कुमार आयलानी की पत्नी मीना आयलानी की संपत्ति 44 करोड़, कांग्रेस के विजय ठाकुर की संपत्ति 38 करोड़, नेशनलिस्ट पार्टी (अजीत पवार) के भरत राजवानी (गंगोत्री) की संपत्ति 33 करोड़, शिंदे सेना के विजय पाटिल की संपत्ति 33 करोड़, साई पार्टी के प्रमुख जीवन इदनानी की संपत्ति 24 करोड़, शिंदे सेना के महेश सुखरामानी की संपत्ति 12 करोड़, अरुण आशान की संपत्ति 11 करोड़, जया मखीजा की संपत्ति 10 करोड़, मीनाक्षी पाटिल की संपत्ति 8 करोड़, BJP के राजेश वढारिया की संपत्ति 10 करोड़, शिंदे सेना की उम्मीदवार सीमा कलानी की संपत्ति 9 करोड़ है। भाजपा की हेमा पिंजानी की कुल संपत्ति 93 करोड़ 93 लाख है। जबकि शिंदे सेना के राजेंद्र सिंह भुल्लर 57 करोड़ के मालिक हैं।

शहर में भाजपा 50 सीटों पर जीतेगी- वधरिया

उल्हासनगर। 15 जनवरी को होने जा रहे उल्हासनगर मनपा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 78 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया ने पैनल 6 व 8 में अपने चुनाव प्रचार में यह कहा है कि केंद्र व प्रदेश में भाजपा के साथ अब उल्हासनगर मनपा में भी भाजपा की सत्ता होगी और भाजपा अपने दम पर 50 सीटों पर जीत हासिल करेगी।

उन्होंने कहा कि शहर की मांग और वरिष्ठों के आदेश पर उल्हासनगर शहर में हमने ज्यादातर नए चेहरे और युवाओं को टिकट दिया है। सर्वे के अनुसार इन सभी नए चेहरों और युवाओं को लोग पसंद कर रहे हैं। मुझे विश्वास ही नहीं पूरा यकीन है कि लोग इस बार भाजपा को ही चुनेंगे। पैनल 1 से 20 तक सभी पैनलों में हमारे उम्मीदवार हैं। अनुभवी उम्मीदवारी भी मैदान में है जिन्होंने अपने वार्ड में अच्छा कार्य किया है जिसमें ज्यादातर महिलाएं हैं उनको भी लाडकी बहनों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

शहर में जमनू पुरस्वानी जैसे कर्मठ नेता चाहिए -पप्पू कालानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 2 में नुक्कड़ सभा के दौरान शिवसेना उम्मीदवार जमनू पुरस्वानी, अनुष्का गोपलानी, होशियार सिंह व सविता पारवानी का चुनाव प्रचार करने पूर्व विधायक पप्पू कालानी आए हुए थे जहां उन्होंने कहा कि हमें शहर में जमनू पुरस्वानी जैसे कर्मठ नेता चाहिए जो वार्ड में ही नहीं शहर विकास का कार्य भी करें। विधायक ने जो शहर का सत्यानाश किया है उसे सुधारने का समय आ गया है। इसलिए शिवसेना का साथ देकर शहर को विकास की ओर ले जाएं। इस नुक्कड़ सभा में सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

शिवसेना का ही महापौर होगा- भुल्लर महाराज

- पैनल 3 व 5 में शिवसेना की लहर- विक्की भुल्लर

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका के 15 जनवरी को होने जा रहे हैं। जहां प्रमुख लड़ाई शिवसेना व भाजपा की बीच ही देखने को मिल रही है। शिवसेना के वरिष्ठ नेता व पैनल 3 से शिवसेना उम्मीदवार राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज ने कहा कि शिवसेना अपने दम पर बहुमत हासिल करेगी और आगामी महापौर भी शिवसेना का ही होगा।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने उल्हासनगर शहर पर विशेष ध्यान देते हुए करोड़ों के फंड विकास के

लिए दिए हैं लेकिन स्थानीय भाजपा विधायक अपने शहर तो क्या वार्ड का विकास करने में फेल हुआ है। ऐसे में पैनल 3 में पैनल 3 में शिवसेना उम्मीदवार राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज, चरणजीत कौर, संगीता खंडारे और वंदना भदाणे और पैनल 5 में विक्की सिंह भुल्लर, सीमा कालानी, दिलीप

जग्यासी और निकिता छापरू जैसे युवा, कर्मठ व अनुभवी उम्मीदवार मैदान में चुनाव लड़ रहे हैं। दोनों ही पैनलों में शिवसेना की लहर देखने को मिल रही है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की भी पैनल 5 में हुई सभा में उन्होंने पैनल में पानी व इमारतों के पुनर्विकास जैसी समस्याओं का निवारण चुनाव बाद तुरंत हल करने का ऐलान कर दिया है। शिवसेना को दोनों ही पैनलों में भरपूर प्यार व समर्थन मिल रहा है। पैनल 5 में सांसद कार्यालय होने के नाते यहां की समस्याओं का तुरंत निवारण का दावा युवा नेता विक्की सिंह भुल्लर ने मतदाताओं से किया है। इस पैनल को भाजपा मुक्त करने का समय आ चुका है।

गोधू किशनानी ने संभाली पैनल 11 में प्रचार की कमान

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 11 में भाजपा द्वारा भव्य जन संपर्क यात्रा निकाली गई जहां सैकड़ों की संख्या में भाजपा उम्मीदवार प्रवीण किशनानी, रवि जग्यासी, कविता पंजाबी व प्रीति माखीजा चुनावी मैदान में है। पूर्व नगरसेवक गोधूमल किशनानी की देखरेख में इन दिनों पैनल 11 में जोरदार प्रचार भाजपा उम्मीदवारों का चल रहा है। किशनानी परिवार ने अपने कार्यकाल में जो कार्य किए थे उन्हें दोबारा करने की मांग पर आज प्रवीण किशनानी मैदान में उतरे हैं। यह प्रचार रैली थाहिरासिंह दरबार, शिवाजी चौक, संतू बिल्डिंग, सीएचएम कॉलेज, ओटी चौक, लक्ष्मी नगर, राधाबाई चौक,

मनीष नगर व अशोक टॉकीज परिसर तक निकाली गई। जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भाजपा को समर्थन दिया है।

पैनल-2 में भाजपा उम्मीदवारों की भव्य रैली

उल्हासनगर। आज पैनल नंबर 2 में भारतीय जनता पार्टी की ओर से भव्य प्रचार रैली निकाली गई। रैली में पैनलवासियों का भरपूर सहयोग व प्यार मिला और जगह-जगह जनता ने उम्मीदवारों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत व आशीर्वाद दिया। भाजपा उम्मीदवार मीना कौर लबाना, संध्या मराठे, हरि कनोजिया व भरत शिवनानी के समर्थन में सैकड़ों की संख्या में युवा व महिलाओं ने शिरकत की। इस भव्य रैली से पैनल पूरी तरह भाजपामय हो गया। भाजपा नेता अजीत सिंह लबाना ने कहा कि उम्मीद से कई ज्यादा लोग इस रैली में शामिल हुए हैं यह उनका प्यार

है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि मतदान के लिए घरों से अवश्य निकले और भारी मतों से उन्हें जीत दिलाएं।

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 9 में इन दिनों युवा उम्मीदवार आकाश सुमित चक्रवर्ती, डिंपल कुमारी, कविता लासी का चुनावी प्रचार में जोरदार समर्थन मिल रहा है।

मनपा में राकांपा की होगी निर्णायक भूमिका - गंगोत्री

- पैनल 16 व 17 में राकांपा को जनसमर्थन

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा चुनाव में राकांपा ने इस बार करीब 47 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। राकांपा उम्मीदवारों को उन पैनलों से भरपूर समर्थन मिल रहा है। मतदाताओं में इस बार परिवर्तन की चाह है इसलिए इस बार के मनपा चुनाव में राकांपा की भूमिका निर्णायक होगी। श्री गंगोत्री ने कहा कि राकांपा की घड़ी ही शहर का समय बदलेगी और अच्छे दिन जरूर लाएगी। जिस तरह पैनल 17 में हमने उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार की बदौलत विकास कार्य किया वो पूरे शहर में चर्चा का विषय है। उस विकास कार्य को रोकने के लिए विरोधियों ने हर मुमकिन कोशिश की लेकिन वो रोक नहीं सके। अगर एक पैनल में हम 25 करोड़ ला सकते हैं तो शहर के अन्य वार्डों में भी हम इससे भी ज्यादा विकास फंड ला सकते हैं। पैनल 16 में राकांपा उम्मीदवार सोनिया धामी, विजय राजवानी, भाऊ म्हात्रे व नेहा प्रकाश लुंड चुनावी मैदान में हैं यहां पर मतदाता भ्रष्टाचारियों से परेशान हैं जो नकारात्मक कार्य, सोच से वार्ड की दयनीय हालत की हुई है वहां पर राकांपा को भरपूर समर्थन मिल रहा है। वहीं पैनल 17 में राकांपा उम्मीदवार भारत गंगोत्री, कमलेश सिरसाठ, रिंकी धामेजानी व सोनिया थदानी नए चेहरों को पुराने कार्यों के कारण भारी समर्थन मिल रहा है। यह दोनों पैनलों में राकांपा की लहर है।

पैनल 12 में भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार ने जोर पकड़ा

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 12 में भाजपा उम्मीदवार टोनी सीरवानी, ज्योति पिंटो बठिजा, कैलाश म्हात्रे व राखी कजानिया के चुनाव प्रचार ने जोर पकड़ा है। यहां पर भाजपा उम्मीदवारों ने स्थानीय लोगों को यह भरोसा दिलाया है कि जो कार्य पिछले कुछ वर्षों से नहीं हो पाए हैं वो कार्य चुनाव बाद जरूर पूरा करेंगे। पिछले 15 वर्षों से जो कार्य भाजपा के कर्मठ पूर्व नगरसेवक टोनी सीरवानी व नेता समाजसेवी पिंटो बठिजा ने किए हैं उसके ऐवज में उन्हें स्थानीय जनता का समर्थन मिल रहा है। यहां पर उनकी टक्कर राकांपा और अपक्ष उम्मीदवारों से है।

उप नगराध्यक्ष का मुकाबला आज

- पांच स्वीकृत नगरसेवकों का चुनाव भी आज
- सदाशिव पाटिल का पक्ष मजबूत

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद उपनगराध्यक्ष एवं स्वीकृत पांच नगरसेवकों के चुनाव सोमवार दोपहर में 11 से 3 बजे के बीच होंगे. हमारे पास पक्की खबर ये है कि भाजपा, अंबरनाथ आघाड़ी के उप नगराध्यक्ष उम्मीदवार राकांपा के सदाशिव पाटिल होंगे. आघाड़ी ने सभी अपने नगरसेवकों के नाम व्हीप (पक्षादेश) जारी किया है कि वह सभी वोट करने के लिए उपस्थित रहें. नहीं तो डिस्क्वालीफाई की कार्रवाई की जाएगी.

विदित हो कि गत दो दिनों से शहर में राजनीति ड्रामा चल रहा है. अंबरनाथ विकास आघाड़ी में भाजपा के 14, कांग्रेस के 12 नगरसेवक, जो निलंबित किए गए हैं और एक निर्दलीय कुल 27 हैं. राकांपा (अ.प.) के चार नगरसेवकों ने शिवसेना को समर्थन दिया है. शिवसेना की इस आघाड़ी को अंबरनाथ आघाड़ी का नाम दिया गया है. जिसके उपनगराध्यक्ष के उम्मीदवार सदाशिव पाटिल होंगे. प्रदीप पाटिल और सदाशव पाटिल में दिलचस्प मुकाबला है.

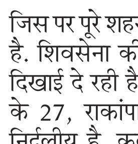
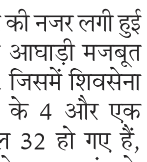

जिस पर पूरे शहर की नजर लगी हुई है. शिवसेना की आघाड़ी मजबूत दिखाई दे रही है. जिसमें शिवसेना के 27, राकांपा के 4 और एक निर्दलीय है. कुल 32 हो गए हैं, जिसमें शिवसेना के 27, राकांपा के 4 और एक निर्दलीय है. कुल 32 हो गए हैं. बहुमत के लिए 30 नगरसेवक चाहिए. कौंसिल में कुल 59 नगरसेवक हैं.

स्वीकृत नगरसेवक कौन?

स्वीकृत नगरसेवकों के चुनाव के लिए शिवसेना आघाड़ी की ओर से सुभाष सालुंखे, अश्विनी सचिन पाटिल या डॉ. जुबेर शाह दोनों में से एक और रोहित म्हाडिक का नाम आ रहा है. भाजपा अंबरनाथ विकास आघाड़ी से विश्वजीत करंजुले पाटिल, एड. मारुति डेरे, पंकज पाटिल या सुरेंद्र पाटिल दोनों में से एक इस तरह भाजपा से तीन और शिवसेना से तीन नाम सामने आ रहे हैं. पांच स्वीकृत नगरसेवक चुनना है. नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले पाटिल की अध्यक्षता में अंबरनाथ नपा की नई इमारत के पहली मंजिल के सभागृह में चुनाव की प्रक्रिया आज 11 बजे से शुरू होगी.

लोकल में महिला ने बच्चे को दिया जन्म

- अंबरनाथ रेलवे स्टेशन की घटना
- महिला ने दिया कन्या को जन्म

अंबरनाथ. अंबरनाथ रेलवे स्टेशन पर एक लोकल कोच में एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया। शनिवार रात करीब 8 बजे कल्याण से अंबरनाथ जाते समय एक महिला को अचानक लेबर पेन शुरू हो गया। महिला की चीखें सुनकर यात्रियों में हंगामा मच गया। जैसे ही लोकल अंबरनाथ स्टेशन पहुंची, यात्रियों ने रेलवे पुलिस को सूचना दी। तुरंत रेलवे की ऑन-ड्यूटी महिला पुलिस सब-इंस्पेक्टर सोनाली नंदेश्वर ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए लोकल कोच में महिला की डिलीवरी की तैयारी की। सभी पुरुष यात्रियों को लोकल कोच से उतारकर दरवाजे बंद कर दिए गए। आखिरकार, महिला ने लोकल कोच में सुरक्षित रूप से बच्चे को जन्म दिया। महिला के लेबर पेन से परेशान यात्री बच्चे के रोने की आवाज सुनकर बहुत खुश हुए। महिला ने एक प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया। अंबरनाथ में रहने वाली 23 साल की महिला अंजू काले किसी काम से कल्याण गई थी। लोकल ट्रेन से कल्याण से अंबरनाथ लौटते समय इस महिला को अचानक लोकल ट्रेन में लेबर पेन होने लगा। शनिवार रात 8:05 बजे जैसे ही लोकल ट्रेन अंबरनाथ स्टेशन पहुंची, कुछ यात्री तुरंत RPF ऑफिस भागे और मामले की जानकारी दी। महिला पुलिस सब-इंस्पेक्टर सोनाली नंदेश्वर की समय पर दिखाई गई सावधानी और हिम्मत की वजह से महिला की लोकल कोच में सुरक्षित डिलीवरी हो गई। महिला पुलिस सब-इंस्पेक्टर नंदेश्वर की इस समय पर दिखाई गई सावधानी की यात्रियों द्वारा तारीफ की जा रही है।

पैनल 7 में युवाओं के प्रचार की कमान पप्पू कालानी के पास

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 7 में युवा उम्मीदवारों को जीताने के लिए पूर्व विधायक पप्पू कालानी ने प्रचार की कमान संभाली है। इस बार पप्पू कालानी अपने हर प्रचार सभा में युवा व पढ़े लिखे उम्मीदवारों को मतदान करने की अपील कर रहे हैं। पैनल 7 में शिवसेना उम्मीदवार आर्किटेक्ट दुर्गा प्रसाद दिनेश राय, मयुर प्रभु लहाने, अश्विनी निकम, संघमित्रा हजारे का घर-घर में प्रचार चल रहा है। उन्हें लोगों का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है। आरपीआय के कार्यकर्ताओं ने भी

अपना पूरा समर्थन युवाओं को देने की ठानी है।

उल्हासनगर के आचंल पैलेस पर छापा

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में कानून-व्यवस्था को चुनौती दे रहे एक गलत धंधे के खिलाफ पुलिस ने आखिरकार कड़ी कार्रवाई की है। सेंट्रल पुलिस की आधी रात को की गई रेड में आचंल पैलेस डांस बार और रेस्टोरेंट में बिना लाइसेंस के चल रहे गैर-कानूनी धंधे का पर्दाफाश हुआ। इस रेड में 10 महिला वेटर समेत 15 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और पुलिस प्रशासन ने चेतावनी दी है कि शहर में गैर-कानूनी धंधे बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

सेंट्रल पुलिस स्टेशन की टीम को जानकारी मिली थी कि उल्हासनगर कैंप नंबर 3 इलाके में आचंल डांस बार और रेस्टोरेंट में बिना लाइसेंस और गैर-कानूनी तरीके से धंधा चलाकर अश्लील हरकतों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के तहत डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन गोर के नेतृत्व में सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर शंकर अवताड़े की टीम ने रेड की।

पैनल 5, 9, 11, 16 में साई पक्ष की हवा -इदनानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 5, 9, 11 व 16 में साई पक्ष के उम्मीदवारों को भरपूर जनसमर्थन मिल रहा है। पैनल 5 में साई पक्ष के उम्मीदवार सुनील गंगवानी व जयश्री थावानी, पैनल 9 में पूर्व महापौर आशा जीवन इदनानी, पैनल 11 में साई पक्ष प्रमुख जीवन इदनानी, इंदिरा उदासी, डॉ. हरेश जग्यासी व

किरण सिंह तथा पैनल 16 में साई पक्ष राजा गेमनानी, दीप्ति दुधानी,

ज्योति चैनानी व अगीचा के टीवी चिन्ह का प्रचार जोरों पर चल रहा है। जीवन इदनानी ने कहा कि साई पक्ष के कार्यशैली पर आज तक कोई सवाल नहीं उठा सका है और न उठा सकेगा। इन सभी सीटों पर हमारा मजबूत दावा है और हमेशा की तरह हमारी यह 11 सीटें मजबूत है। शिवसेना से गठबंधन के चलते हमारी ताकत और बढ़ी है। इन पैनलों में साई पक्ष की ही हवा है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

पाकिस्तान के रास्ते जाता बांग्लादेश

बांग्लादेश के हालात बिगड़ने के साथ यह भी दिख रहा है कि वहां की अंतरिम सरकार भारत से संबंध सुधारने के बजाय बिगाड़ने पर आमादा है। उसे न तो अपने यहां के हिंदुओं की हत्याओं की कोई परवाह है और न ही भारत विरोधी तत्वों के बेलगाम होते जाने की। वह इन तत्वों पर लगाम लगाने के बजाय उन्हें शह ही अधिक दे रही है। अपने यहां भारत विरोधी माहौल बनाने के लिए बांग्लादेश एक ओर जहां अपनी क्रिकेट टीम को भारत में आयोजित होने वाले टी-20 विश्व कप में भेजने में आनाकानी कर रहा है, वहीं पाकिस्तान से अपने संबंध प्रगाढ़ कर रहा है।

बांग्लादेश में जो हालात हैं, वे हमारी भूलों की भी देन हैं। ऐसी ही भूल हमने कश्मीर को हड़पने की कोशिश करने वाले पाकिस्तान के मामले में भी की थी। कश्मीर को महज एक राजनीतिक समस्या मानकर हम वहां राजनीतिक समाधान तलाशते रहे। इसके परिणाम क्या रहे, उससे सभी परिचित हैं। हमने कोई सबक नहीं सीखा और 1971 में पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लाभाषी मुसलमानों और हिंदू अल्पसंख्यकों का पाकिस्तानी फौज द्वारा किए जा रहे नरसंहार को रोकने और बांग्लादेश को मुक्त कराने के लिए भारत ने पाकिस्तानी सेना से युद्ध लड़ा।

जिस समय भारत बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध में कूदा, उस समय तक पाकिस्तान की फौज 25 लाख बांग्लाभाषी मुसलमानों और हिंदुओं का नरसंहार कर चुकी थी और लाखों महिलाओं के साथ दुष्कर्म हो चुका था। पाकिस्तान की फौज बंगाली मुसलमानों की नस्ल बदलने के लिए रेप कैंप संचालित कर रही थी। इन कैंपों में जन्मे हजारों बच्चों के पुनर्वास के लिए बाद में बांग्लादेश की सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दत्तक ग्रहण कार्यक्रम चलाना पड़ा।

लगभग 4000 भारतीय सैनिकों के बलिदान के बाद ये पाशविक अत्याचार बंद हुए और बांग्लादेश का निर्माण हुआ, परंतु हमने न तो इन अत्याचारों के अपराधी एक भी पाकिस्तानी सैनिक या सैन्य अधिकारियों को सजा दी और न ही इन जनसंहारों और अत्याचारों में पाकिस्तानी फौज का साथ देने वाले स्थानीय जमाती रजाकारों को ही मिटा डालने के लिए कुछ किया। भारत ने सोचा कि बांग्लादेश के मुसलमान पाकिस्तानी फौज और जमातियों के इन भयावह अत्याचारों को झेलने के बाद अब कभी भी इस्लामिक कट्टरपंथ के रास्ते नहीं चलेंगे और न ही पाकिस्तान से हाथ मिलाने की कभी सोचेंगे।

विश्व को खतरे में डाल अहंकार से भरे हुए हैं अमेरिकी राष्ट्रपति

नए वर्ष का आगमन होते ही एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में अमेरिकी सेना वेनेजुएला पर हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी समेत उठाकर अमेरिका ले आई। विश्व को हैरान करने वाली इस घटना को पहले तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति के कथित संरक्षण में चल रहे नारकोटिक्स आतंक से जोड़ा, लेकिन शीघ्र ही यह स्पष्ट हो गया कि इस हमले का मूल उद्देश्य वेनेजुएला के तेल भंडारों पर कब्जा करना था।

वेनेजुएला में कच्चे तेल के सबसे अधिक भंडार हैं। ट्रंप ने जिस तरह यह कहा कि अब वेनेजुएला के तेल को अमेरिका बेचेगा और वहां की अंतरिम राष्ट्रपति को उनका सहयोग करना होगा, उससे साफ है कि अमेरिकी राष्ट्रपति दादागीरी पर उतर आए हैं। वे संयुक्त राष्ट्र चार्टर के साथ अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसकी कल्पना करना कठिन था कि लोकतंत्र की दुहाई देने वाला अमेरिका किसी देश के राष्ट्रपति का अपहरण कर लेगा, लेकिन ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने ऐसा ही किया।

यह चोरी और सीनाजोरी ही है। अमेरिका ऐसी हरकतें पहले भी करता रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से उसने अपने संकीर्ण स्वार्थों को पूरा करने के लिए अनेक देशों पर हमले किए अथवा वहां छल-छद्म से तख्तापलट कराया। इस कोशिश में उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वह सबक सीखने को तैयार नहीं। अमेरिका को वियतनाम में मात मिली।

इसके बाद अफगानिस्तान, इराक और लीबिया में भी वह वैसा कुछ नहीं कर सका, जिसका दावा कर उसने इन देशों पर हमला किया था। वह इन देशों में कुल मिलाकर नाकाम ही रहा। उसकी इस नाकामी का दुष्परिणाम इन देशों ने अस्थिरता और अशांति के रूप में देखा।

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की विश्व के अनेक देशों ने निंदा की, लेकिन कई देश ऐसे भी रहे, जिन्होंने ट्रंप की सैन्य कार्रवाई का समर्थन किया अथवा जो मौन बने रहे। चूंकि अमेरिका एक बड़ी आर्थिक एवं सैन्य शक्ति है, इसलिए कोई भी देश एक सीमा से अधिक उसका विरोध करने की स्थिति में नहीं। ट्रंप इसी का लाभ उठाकर मनमानी कर रहे हैं। उनके बेलगाम होने का एक कारण यह है कि उसे चुनौती दे सकने वाला रूस यूक्रेन युद्ध में उलझा है।

करीब चार साल पहले यूक्रेन पर रूस का हमला उसकी मनमानी ही था। लगता है उसकी इस हरकत ने ट्रंप को भी मनमानी करने का मौका दिया। अब वे बेलगाम हैं। वेनेजुएला पर हमले के बाद वे डेनमार्क के स्वायत्तशासी क्षेत्र ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। ट्रंप इस बहाने ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहते हैं कि उस पर रूस और चीन की निगाह है। उनका कहना है कि अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा होना चाहिए।

ग्रीनलैंड में अकूत प्राकृतिक संपदा है, जिसका अभी तक दोहन नहीं किया गया है। अमेरिका के अंदर यह विचार पहले भी रहा है कि जिस तरह अलास्का उसके नियंत्रण में आया, उसी तरह ग्रीनलैंड भी आए। ट्रंप उस पर सैन्य कार्रवाई के जरिये कब्जा करने के अलावा उसे खरीदने की बात भी कह रहे हैं। हालांकि वहां के लोग इसका विरोध कर रहे हैं, लेकिन वे बेपरवाह हैं। उन्हें डेनमार्क के साथ यूरोपीय देशों की नाराजगी की भी चिंता नहीं, जबकि वे नाटो के भविष्य को खतरे में बता रहे हैं।

ट्रंप किस तरह अहंकार से भरे हुए हैं, इसका पता उनके इस कथन से चलता है कि उनकी आक्रामकता को सिर्फ वही रोक सकते हैं और अमेरिकी हितों के आगे किसी अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून का कोई महत्व नहीं। यह तानाशाही वाला रवैया है। ट्रंप आक्रामक रणनीति पर इसलिए चल रहे हैं, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजर रही है। उसे पटरी पर लाने के लिए उन्होंने अमेरिका आयात होने वाली वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ा दिया है।

उनका दावा है कि उनकी टैरिफ नीति से अमेरिका की आय बढ़ी है, लेकिन सच्चाई कुछ और है। ट्रंप इसलिए भी बौखलाए हुए हैं, क्योंकि डॉलर का प्रभुत्व कमजोर हो रहा है। डॉलर का प्रभुत्व तब बढ़ना शुरू हुआ, जब अमेरिका ने 1970 के दशक में सऊदी अरब से समझौता किया कि तेल का व्यापार डॉलर में होगा।

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

वायु प्रदूषण से संघर्ष, राज्यों ने लिया सतत रूप से सक्रिय रहने का निर्णय

यह स्वागतयोग्य है कि देर से ही सही, दिल्ली और एनसीआर के सभी राज्यों ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सतत रूप से सक्रिय रहने का निर्णय किया। इसके सकारात्मक परिणाम निकलने चाहिए, पर ऐसा तब होगा, जब दिल्ली संग एनसीआर के राज्य वास्तव में वर्ष भर वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। समझना कठिन है कि अभी तक इसकी आवश्यकता क्यों नहीं समझी गई?

अभी स्थिति यह है कि जब वायु प्रदूषण सिर उठा लेता है, तब अलग-अलग राज्य अपने-अपने स्तर पर उससे निपटने के लिए सक्रिय होते हैं। यह सक्रियता निष्प्रभावी ही रहती है। यह किसी से छिपा नहीं कि इन दिनों दिल्ली-एनसीआर वायु प्रदूषण से त्रस्त है और उससे निपटने के लिए जो भी उपाय किए जा रहे हैं, वे अपर्याप्त सिद्ध हो रहे हैं।

वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति के बीच दिल्ली एवं एनसीआर के राज्यों ने वायु की गुणवत्ता संभालने के लिए साल भर प्रदूषण रोधी उपायों पर काम करने के लिए अपनी जो योजना केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को सौंपी है, उसके तहत सभी राज्य 15 जनवरी से वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने का काम शुरू कर देंगे, जो वर्ष भर चलेंगे।

अच्छी बात यह है कि इन कामों की हर महीने समीक्षा होगी। इस सबके

बावजूद प्रश्न यह है कि आखिर केवल दिल्ली एवं उससे सटे राज्य ही वायु प्रदूषण से पार पाने के लिए आगे क्यों आए हैं? यह कार्य तो हर राज्य और विशेष रूप से उत्तर भारत के सभी राज्यों को करना चाहिए।

अब वायु प्रदूषण केवल दिल्ली-एनसीआर की ही समस्या नहीं है, भले ही उसकी चर्चा अधिक होती हो। सच यह है कि अब सर्दियों में उत्तर भारत के करीब-करीब सभी राज्य वायु प्रदूषण से ग्रस्त रहने लगे हैं। इसी कारण भारत की गिनती उन देशों में होने लगी है, जहां की वायु सर्वाधिक प्रदूषित बनी रहती है। उचित यह होगा कि केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय देश के सभी राज्यों से वायु प्रदूषण से निपटने की ऐसी किसी योजना पर काम करने को कहे, जो वर्ष भर चलती रहे।

फिलहाल यह कहना कठिन है कि दिल्ली एवं एनसीआर के राज्यों ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 12 महीने सक्रिय रहने की जो तैयारी की है, उसके कैसे नतीजे कब तक सामने आएंगे, लेकिन यह समझा जाए कि वायु प्रदूषण से मुक्ति तभी मिलेगी, जब आम जनता उसके प्रति सजग होगी और साथ ही अपना योगदान देने के लिए भी तत्पर रहेगी।

लोगों को अपने जनप्रतिनिधियों पर इसके लिए दबाव डालना होगा कि वे जानलेवा साबित होते वायु प्रदूषण को गंभीरता से लें। उन्हें नगर निकायों पर भी दबाव बनाना होगा, क्योंकि स्थानीय स्तर पर जिन कारणों से वायु प्रदूषण बढ़ता है, उनका निवारण करने में वे नाकाम ही हैं।

खुदाई में मिला 1200 साल पुराना कब्र

जरा हट के

इतिहास के पन्नों में दफन कई राज जब सदियों बाद सतह पर आते हैं, तो वे न केवल हमें अचंभित करते हैं बल्कि हमारी मौजूदा वैज्ञानिक समझ को भी कड़ी चुनौती देते हैं. दुनिया भर में समय-समय पर प्राचीन सभ्यताओं से जुड़े ऐसे अवशेष मिलते रहे हैं, जो उस दौर की विचित्र मान्यताओं और डरावनी रस्मों की गवाही देते हैं. हाल ही में नॉर्वे के 'बजुग्न (Bjugn)' इलाके में स्थित एक खेत से दो ऐसी ही वाइकिंग जमाने की कब्रें (Viking Graves) मिली हैं, जिन्होंने शोधकर्ताओं और पुरातत्वविदों के बीच खलबली मचा दी है. इन कब्रों के साथ एक ऐसा विचित्र अनुष्ठान देखने को मिला है, जो इससे पहले कभी इतिहास में दर्ज नहीं किया गया था. इस खोज की शुरुआत तब हुई जब रॉय सोरेंग नाम के एक व्यक्ति को मेटल डिटेक्टर की मदद से एक अंडाकार ब्रोच (Jewellery) मिला, जो

आमतौर पर 8वीं या 9वीं शताब्दी के वाइकिंग काल का माना जाता है.

इस खबर के सामने आते ही उस जगह पर नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (NTNU) के पुरातत्वविदों की टीम पहुंच गई. उन्होंने जब इस जगह की खुदाई शुरू की, तो उन्हें 1200 साल पुरानी एक महिला की कब्र मिली जो उस दौर के 'खजाने' और कीमती आभूषणों से लदी हुई थी. लेकिन इस खोज में सबसे चौंकाने वाली बात गहने नहीं, बल्कि महिला की लाश के साथ की गई एक विचित्र हरकत थी. विशेषज्ञों ने पाया कि महिला के मुंह के दोनों किनारों पर रहस्यमयी तरीके से 'स्कैलप शेल्स' (Scallop Shells) यानी समुद्री सीपियां रखी गई थीं. पुरातत्वविद रेमंड सॉवेज के अनुसार, वाइकिंग काल की ईसाई धर्म से पूर्व की हजारों कब्रों की जांच हो चुकी है, लेकिन इस तरह की रस्म का कोई पिछला रिकॉर्ड आज तक नहीं मिला. यह देखकर वैज्ञानिक भी उलझन में हैं कि आखिर मौत के बाद उस महिला के मुंह पर सीपियां रखने के पीछे क्या मकसद रहा होगा? बता दें कि जिस तरह से महिला को उसकी पारंपरिक वाइकिंग पोशाक और बेहतरीन गहनों के साथ विदा किया गया, उससे संकेत मिलता है कि वह समाज में एक स्वतंत्र और शायद शादीशुदा ऊंचे दर्जे की महिला रही होगी.

मशरूम पालक स्पेगेटी

मशरूम और पालक के साथ स्पेगेटी की यह रेसिपी काफी आसान और तुरंत बन जाती है। इसे बनाने में 10 मिनट से भी कम का वक्त लगता है। यह रेसिपी हेल्दी होने के साथ-साथ काफी टेस्टी भी है। प्लेन व्हाइट सॉस स्पेगेटी खाकर बोर हो गए हैं तो पालक और मशरूम के साथ बनने वाली यह स्वादिष्ट रेसिपी आपको जरूर पसंद आएगी। तो आइए बनाते हैं यह स्वादिष्ट रेसिपी।

सामग्री :

- 200 ग्राम स्पेगेटी
- 200 ग्राम मशरूम
- 250 ग्राम पालक
- लहसुन की 1 कली
- 50 ग्राम फ्रेश क्रीम
- परमेजन चीज
- नमक स्वादानुसार
- कालीमिर्च पाउडर

विधि :

एक बड़े बरतन में स्पेगेटी उबालें। पैकेट पर लिखे निर्देशों के अनुसार स्पेगेटी को उबालें।

मशरूम को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

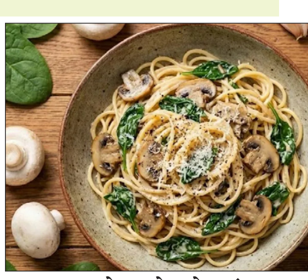

पालक के पत्तो को छांटकर अच्छी तरह धोकर काट लें।

एक फ्राइंग पैन में 2-3 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल या कुकिंग ऑयल डालें। इसमें कटे हुए मशरूम डालें और 2-3 मिनट के लिए अच्छी तरह भूनें। अब कटे हुए पालक के पत्ते डालकर थोड़ी देर और भूनें।

इस पैन में कटा हुआ लहसुन डालकर 2-3 मिनट के लिए और भूनें, फिर क्रीम डालकर अच्छी तरह चलाएं। इसमें नमक और काली मिर्च डालें।

स्पेगेटी उबल जाने के बाद उसे पूरी तरह छानने से पहले इसका थोड़ा-सा पानी निकाल लें। अब सॉस को गाढ़ा करने के हिसाब से स्पेगेटी उबले हुए पानी को मशरूम और पालक वाले मिश्रण में डालकर अच्छी तरह मिला लें।

अब तैयार सॉस में उबली हुई स्पेगेटी डालकर अच्छी तरह कोट करें और ऊपर से चीज डालकर गरमागर्म सर्व करें।

क्या आप भी आई कॉन्टैक्ट करने से कतराते हैं?

इन 5 आसान तरीकों से बढ़ाएं अपना कॉन्फिडेंस

कल्पना कीजिए, आप किसी बहुत जरूरी मीटिंग में हैं या अपने किसी पसंदीदा इंसान से बात कर रहे हैं। आपके पास कहने के लिए शब्द तो बहुत हैं, लेकिन जैसे ही सामने वाले की नजरें आपकी नजरों से मिलती हैं, आपके आत्मविश्वास का गुब्बारा फुस्स हो जाता है। अचानक आपको जमीन के टाइल्स या दीवार पर लगी घड़ी, सामने वाले के चेहरे से ज्यादा दिलचस्प लगने लगती है। अगर यह स्थिति आपको जानी-पहचानी लगती है, तो यकीन मानिए आप अकेले नहीं हैं। आंखों से आंखें मिलाना सिर्फ एक शारीरिक क्रिया नहीं है, बल्कि यह बिना बोले सामने वाले का दिल जीतने और अपनी बात मनवाने का एक जादुई हुनर है। इसे सुधारना

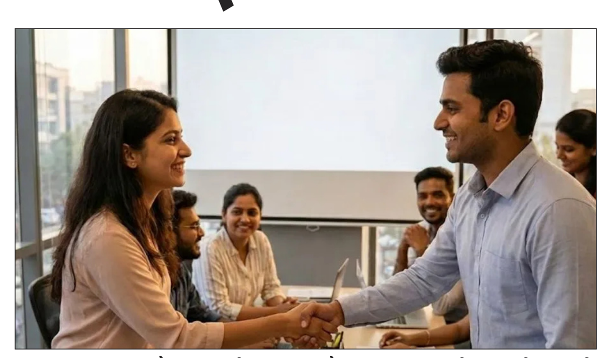

उतना ही आसान है जितना रोजाना शीशे के सामने मुस्कुराना।

'ट्रायंगल' तकनीक का इस्तेमाल

अगर किसी की आंखों में सीधे देखना आपको डरावना लगता है, तो इस ट्रिक को आजमाएं। सामने वाले की एक आंख, फिर दूसरी आंख और उसके बाद उसके होंठों या नाक के बीच के हिस्से पर नजर घुमाएं। एक काल्पनिक 'ट्रायंगल' जैसा महसूस करें। इससे सामने वाले को लगेगा कि आप उनसे जुड़ रहे हैं और आप पर भी दबाव कम होगा।

50/70 का गोल्डन रूल

जरूरी नहीं कि आप बात करते समय 100% समय उनकी आंखों में ही देखते रहें, क्योंकि यह 'घूरने' जैसा लग सकता है। नियम यह है कि बोलते समय 50% और सुनते समय 70% आई कॉन्टैक्ट बनाए रखें। इससे बातचीत स्वाभाविक लगती है और आपका आत्मविश्वास भी झलकता है।

आंखों का रंग पहचानने की कोशिश करें

जब आप किसी से पहली बार मिलें या बात शुरू करें, तो मन ही मन उनकी आंखों का रंग (जैसे- काला, भूरा या नीला) पहचानने की कोशिश करें। ऐसा करने के लिए आपको कुछ सेकंड तक उनकी आंखों में देखना होगा। यह छोटा-सा काम आपको बिना डरे आई कॉन्टैक्ट की शुरुआत करने में मदद करेगा।

जान-पहचान वालों के साथ करें प्रैक्टिस

सीधे किसी बड़े इंटरव्यू या अजनबी के सामने आई कॉन्टैक्ट करने की कोशिश न करें। पहले अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों या यहां तक कि पालतू जानवरों के साथ बात करते समय आंखों में देखने की प्रैक्टिस करें। जब आप अपनों के साथ सहज हो जाएंगे, तो बाहर के लोगों से बात करना आसान हो जाएगा।

धीरे-धीरे समय बढ़ाएं और ब्रेक लें

आई कॉन्टैक्ट का मतलब 'घूरना' नहीं है। अगर आपको असहज महसूस हो, तो 4-5 सेकंड के बाद अपनी नजरें धीरे से हटा लें (जैसे कुछ सोचते हुए ऊपर या साइड में देखें) और फिर वापस आई कॉन्टैक्ट करें। यह ब्रेक आपको रिलैक्स महसूस कराएगा।

आत्मविश्वास एक रात में नहीं आता। इसे रोजाना की बातचीत में थोड़ा-थोड़ा शामिल करें। याद रखें, आपकी आंखें आपकी बातों से ज्यादा प्रभावी हो सकती हैं।

आज का राशिफल

मेष : वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी से कोई भी कार्य न करें।

मिथुन : बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा। आय होगी। व्यापार ठीक चलेगा।

कर्क : थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा। समय अच्छा व्यतीत होगा। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह : विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। कुसंगति से दूर रहें। हानि संभव है।

कन्या : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जल्दबाजी न करें।

तुला : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

वृश्चिक : दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु : लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

मकर : वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। परिवार के साथ रहने का अवसर प्राप्त होगा। लाभ होगा।

कुंभ : मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा।

मीन : बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। समय सुखमय व्यतीत होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ठंड में बढ़ जाता है बुजुर्गों के सेहत पर खतरा

अगर रोज करते हैं स्नान तो जान लीजिए यह जरूरी बात

सर्दी के मौसम में बुजुर्गों की सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतना बेहद जरूरी है, क्योंकि इस उम्र में रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और ठंड का असर सीधे हृदय, जोड़ों, फेफड़ों और त्वचा पर पड़ता है. ऐसे में घरेलू तरीकों से अगर सही देखभाल की जाए तो कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है. आयुष चिकित्सक डॉ रास बिहारी तिवारी बताते हैं कि ठंड के मौसम में बुजुर्गों को ठंड से बचाना जरूरी है. सुबह और रात के समय उन्हें गर्म कपड़े जरूर पहनने चाहिए, खासकर सिर, कान और पैरों को ढककर रखना चाहिए. घर में ठंडी हवा के सीधे संपर्क से बचें और नहाने के लिए गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करें. सर्दी में आलस्य बढ़ता है, लेकिन हल्की धूप में बैठना और थोड़ी बहुत चहल-कदमी करना शरीर के लिए फायदेमंद होता है.

खानपान को लेकर बरतनी चाहिए सावधानी

डॉ रास बिहारी तिवारी बताते हैं कि खानपान बुजुर्गों की सेहत का सबसे अहम आधार होता है. सर्दी के मौसम में उन्हें गर्म और सुपाच्य भोजन देना चाहिए. दलिया, खिचड़ी, सूप, उबली सब्जियां और रोटी के साथ घी का सीमित उपयोग शरीर को ऊर्जा देता है. घरेलू उपाय के तौर पर रोज सुबह गुनगुने पानी में आधा चम्मच शहद और कुछ बूंदें नींबू की मिलाकर देने से पाचन ठीक रहता है और इम्युनिटी बढ़ती है. अदरक, तुलसी, काली मिर्च और दालचीनी से बनी हल्की चाय सर्दी-खांसी से बचाव करती है. रात को सोने से पहले हल्दी मिला गुनगुना दूध देने से जोड़ों के दर्द और अनिद्रा में राहत मिलती है. ठंड के मौसम में पानी कम पीने की आदत नुकसानदायक हो सकती है, इसलिए बुजुर्गों को पर्याप्त मात्रा में गुनगुना पानी जरूर पिलाते रहें.

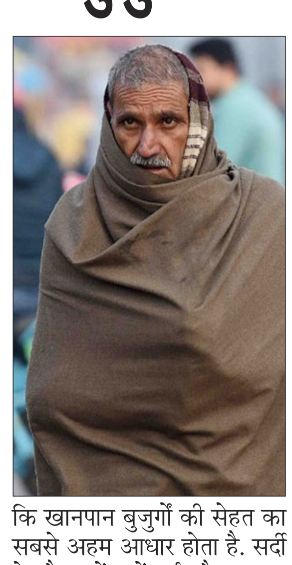

त्वचा की भी करनी चाहिए देखभाल

आयुष चिकित्सक डॉ रास बिहारी तिवारी बताते हैं कि बुजुर्गों की त्वचा और जोड़ों की देखभाल भी सर्दी में बेहद जरूरी है. सरसों या तिल के तेल से हल्की मालिश करने से रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर में गर्माहट बनी रहती है. जोड़ों के दर्द से परेशान बुजुर्गों के लिए अजवाइन की पोटली से सेक करना एक प्रभावी घरेलू उपाय है. त्वचा को रूखेपन से बचाने के लिए नहाने के बाद नारियल या सरसों के तेल का उपयोग किया जा सकता है. इसके साथ ही नियमित दिनचर्या, समय पर दवा, पर्याप्त नींद और मानसिक शांति भी जरूरी है. परिवार के सदस्यों को चाहिए कि वे बुजुर्गों से बातचीत करें, उनका मनोबल बढ़ाएं और किसी भी असामान्य लक्षण पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लें. सही देखभाल और घरेलू उपाय अपनाकर बुजुर्ग सर्दी के मौसम में भी स्वस्थ और सुरक्षित रह सकते हैं.

गद्दे पर लगे पुराने दाग होंगे साफ

आजमाएं ये तरीके, बढ़ जाएगी लाइफ

लंबे समय तक गंदे गद्दे पर सोना न सिर्फ अनहाइजीनिक होता है, बल्कि इससे एलर्जी, स्किन प्रॉब्लम और सांस से जुड़ी दिक्कतें भी हो सकती हैं. इसके अलावा अध्यात्मिक दृष्टि गंदे गद्दे या गंदे बिस्तर पर सोने से बुरे सपने आते हैं और लक्ष्मी भी नाराज हो जाती हैं.

अब आपको गद्दा धोने, उठाने या ड्राई क्लीन पर हजारों रुपए खर्च करने की जरूरत नहीं है. आज हम आपको वही आसान ट्रिक बता रहे हैं, जिससे बड़े-बड़े होटल अपने गद्दों को बिना गीला किए साफ करते हैं. इस तरीके से घर में पड़ा पुराना गद्दा भी नया जैसा चमकने लगेगा.

इस ट्रिक के लिए सबसे पहले एक बाउल में करीब एक मग पानी लें. इसमें दो चम्मच लिक्विड सोप या डिटर्जेंट मिलाएं. अब इसमें दो चम्मच हाइड्रोजन पेरोक्साइड और दो चम्मच फैब्रिक सॉफ्टनर डालकर अच्छे से मिला लें, ताकि एक स्मूद घोल तैयार हो जाए. इसके बाद एक साफ तौलिया लें और उसे इस घोल में भिगोकर हल्का निचोड़ लें.

अब एक साधारण प्रेस लें और उस प्रेस के नीचे इस गीले तौलिये को अच्छे से लपेट दें. इसके बाद गद्दे पर प्रेस को उसी तरह चलाएं, जैसे कपड़ों पर प्रेस करते हैं. आप देखेंगे कि गद्दे पर जमे पुराने दाग, पीलापन और गंदगी धीरे-धीरे साफ होने लगेगी, वो भी बिना गद्दे को भिगोए. यही तरीका होटलों में गद्दों की क्लीनिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है.

इसके अलावा एक और आसान उपाय भी है. जब भी आप बेडशीट बदलें, उसी समय वैक्यूम क्लीनर से गद्दे को जरूर साफ करें. इससे गद्दे के अंदर जमा धूल, मिट्टी और बैक्टीरिया बाहर निकल जाते हैं. अगर आपके पास स्टीम वैक्यूम क्लीनर है, तो उससे माइट्स और कीटाणु भी खत्म हो जाते हैं. इन आसान तरीकों को अपनाकर आप घर बैठे अपने गद्दों को लंबे समय तक साफ, सुरक्षित और नए जैसा बनाए रख सकते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

प्रताड़ना से तंग महिला ने दो बेटियों संग तालाब में लगाई छलांग, तीनों के शव बरामद

बहराइच. यूपी के बहराइच में ससुरालीजनो की प्रताड़ना से आजिज एक महिला ने अपनी दो बेटियों के साथ बस अड्डा तालाब में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी भनक लगते ही हड़कंप मच गया। देर रात गए युवती आशा उर्फ मीनू (35) पत्नी विष्णु पुत्र बजरंगी, उसकी बेटी मिष्टी (7) का शव बरामद हो गए। जबकि दूसरी बेटी नंदनी उर्फ प्राची का शव रविवार सुबह नौ बजे बरामद किया गया है। लेकिन मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न और हत्या का गंभीर आरोप लगाते हुए महिला के पति, ससुर और सास के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक की बेरहमी से हत्या

फिरोजाबाद. यूपी के फिरोजाबाद में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। तीन दिन से लापता चल रहे युवक का सिर कटा नग्न शव मंगलवार को नारखी के एक गांव के बाहर स्थित पूर्व प्रधान के ट्यूबवेल की कोठरी से बरामद हुआ। थाना उत्तर क्षेत्र के लक्ष्मी नगर निवासी 26 वर्षीय सौरभ सिंह पुत्र भोजराज सिंह बीते तीन दिनों से घर से लापता था। परिजनों द्वारा उसकी तलाश की जा रही थी, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। मंगलवार सुबह ग्रामीणों को नारखी के जाखई में ट्यूबवेल की कोठरी से तेज दुर्गंध और खून के निशान दिखाई दिए। अंदर जाकर देखने पर युवक का अर्धनग्न और सिर कटा नग्न शव पड़ा मिला। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

6 साल की उम्र में पास कर ली 10वीं!

प्रयागराज. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बर्थ सर्टिफिकेट जारी करने में हो रहे व्यापक भ्रष्टाचार पर चिंता जताई है। कोर्ट ने एक व्यक्ति द्वारा जन्मतिथि में 11 वर्षों की हेरफेर, जालसाजी और धोखाधड़ी पर नाराजगी जताते हुए प्रयागराज पुलिस कमिश्नर को उस व्यक्ति और संबंधित ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। याचिका में पासपोर्ट अथॉरिटी को याची के पासपोर्ट पर जन्मतिथि 1994 से बदलकर 2005 करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। कोर्ट ने जब रिकॉर्ड की जांच की तो पाया कि याची ने हाईस्कूल की परीक्षा 2011 में पास की है। कोर्ट ने पूछा कि 2005 में पैदा हुए व्यक्ति के लिए 6 साल की उम्र में 2011 में यह परीक्षा देना कैसे संभव था। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए याची और ग्राम पंचायत के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ बीएनएस के संबंधित प्रावधानों के तहत धोखाधड़ी और जालसाजी के अपराधों के लिए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। जिन्होंने 04 नवंबर, 2025 को जन्म प्रमाणपत्र जारी किया, जिसमें उसकी जन्मतिथि 11 जुलाई, 2005 दिखाई गई।

गन्ने के खेत से महिला को खींच ले गया बाघ, तलाश के बाद जंगल में मिला अधखाया शव

लखीमपुर खीरी. यूपी के लखीमपुर खीरी के दुधवा टाइगर रिजर्व के बफर जोन के निघासन वन रेंज में शनिवार शाम गन्ने के खेत में गई एक महिला को बाघ खींचकर ले गया था। रात भर चली कांबिंग और तलाश के बाद रविवार सुबह महिला का अधखाया शव जंगल के अंदर से बरामद हुआ। महिला का शव मिलने के बाद वन विभाग ने आसपास के क्षेत्र में पगमार्क आदि की पड़ताल शुरू कर दी। गांव वालों का कहना है कि महिला को खींचकर ले जाने वाला वन्यजीव बाघिन है और उसके साथ दो शावक भी थे। थाना तिकुनियां क्षेत्र के महाराज नगर गांव की 35 वर्षीय ऊषा देवी व 32 वर्षीय गूंधनी देवी पत्नी छैलबिहारी शनिवार शाम जंगल के करीब गन्ने के खेत में चारा काट रही थी। गूंधनी ने बताया कि इसी दौरान गन्ने में बैठा बाघ निकल आया और उषा देवी को खीच ले गया।

मोदी बोले- सोमनाथ तोड़ने वाले इतिहास के पन्नों में सिमटे

दुर्भाग्य से देश में आज भी मंदिर पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें मौजूद

सोमनाथ. गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर 1000 साल पहले हुए हमले को लेकर पीएम ने कहा कि, उस वक्त आतताई सोच रहे थे कि वे जीत गए हैं, लेकिन आज भी सोमनाथ मंदिर में फहरा रही ध्वजा बता रही है कि हिंदुस्तान की शक्ति क्या है। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था।

पीएम ने नेहरू का नाम लिए बिना कहा कि जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। दरअसल 1951 में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने को लेकर जवाहरलाल नेहरू ने आपत्ति जताई थी।

पीएम ने मंदिर से करीब 3

किमी दूर सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आज भी ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटनें की कोशिश में लगी हुई हैं।

पीएम ने सुबह मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की। शिवलिंग पर जल चढ़ाया, फूल अर्पित किए और पंचामृत से अभिषेक किया।

मोदी शनिवार शाम सोमनाथ पहुंचे थे। यहां सोमनाथ मंदिर पर साल 1026 में हुए पहले आक्रमण के हजार साल पूरे होने पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया गया।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को अपने 3 दिवसीय गुजरात दौरे पर सोमनाथ पहुंचे और 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में हिस्सा लिया। इस अवसर पर लगभग 3,000 ड्रोनों के जरिए मंदिर के इतिहास को दर्शाने वाला एक भव्य शो आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री ने मंदिर में 72 घंटे तक चलने वाले 'ओमकार मंत्र' जाप कार्यक्रम में भी शिरकत की। पीएम मोदी ने कहा कि सोमनाथ में आकर वह धन्य महसूस कर रहे हैं। यह हमारी सभ्यतागत साहस का एक गौरवशाली प्रतीक है।

■ मेरा भोला है भंडारी पर झूमे लोग

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तीसरे दिन मंदिर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ। इसमें गायक हंसराज रघुवंशी के शिव भजनों ने भक्तों को भक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। मेरा भोला है भंडारी और जयकारा बोलो जैसे गीतों पर श्रद्धालु झूम उठे। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में हो रहे इस पर्व में भारी भीड़ उमड़ी। सुंदर प्रस्तुतियों के कारण यह दिन हजारों शिव भक्तों के लिए हमेशा के लिए यादगार बन गया।

■ स्वागत के लिए उमड़े लोग

इससे पहले गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और अन्य प्रमुख लोगों ने गिर सोमनाथ जिले के वेरावल में सोमनाथ महादेव मंदिर के पास हेलीपैड पर प्रधानमंत्री मोदी का शानदार स्वागत किया।

हेलीपैड से मोदी अपने काफिले के साथ मंदिर के पास बने वीवीआईपी सर्किट हाउस के लिए रवाना हुए। प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए सड़क के दोनों ओर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी थी।

ओंकार मंत्र जाप में शामिल हुए

प्रधानमंत्री ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के दौरान देर शाम सोमनाथ मंदिर में ओंकार मंत्र के जाप में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। यह कार्यक्रम मंदिर पर एक हजार साल पहले हुए हमले की याद में आयोजित किया गया है। यह जाप लगातार 72 घंटों तक चलेगा।

ड्रोन शो भी देखा

प्रधानमंत्री सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए और ड्रोन शो के भी साक्षी बने। मंदिर से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं को दर्शाने के लिए लगभग 3,000 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

100 करोड़ की 'डिजिटल डकैती'

ताइवानी मास्टरमाइंड, चीन से पाक तक तार...

नई दिल्ली. दिल्ली पुलिस ने शनिवार को एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इसमें हजारों लोगों को कथित तौर पर 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर डरा-धमकाकर लगभग 100 करोड़ रुपये की ठगी की गई। आरोप है कि यह ठगी करने वाला गिरोह खुद को एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (ATS) का अधिकारी बताकर लोगों को कॉल करता था और कहता था कि उनके मोबाइल नंबर आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े मामलों में इस्तेमाल हुए हैं। इस सिंडिकेट के तार पाकिस्तान समेत कई देशों तक फैले हुए हैं। पुलिस ने अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

कैसे दिया जाता था ठगी को अंजाम

दिल्ली पुलिस के डिप्टी कमिश्नर (IFSO) विनीत कुमार ने

बताया कि सितंबर 2025 से शुरू हुई इस ठगी में फ्रॉडस्टर्स पीड़ितों को फोन कर पहलगाम हमला और दिल्ली के रेड फोर्ट ब्लास्ट जैसे आतंकी मामलों से उनके फोन नंबरों के जुड़े होने का आरोप लगाते थे। उन्हें तत्काल गिरफ्तारी की धमकी दी जाती थी और 'डिजिटल अरेस्ट' में रखकर पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया जाता था। इस पूरे नेटवर्क का संचालन चीन, नेपाल, कंबोडिया, ताइवान और पाकिस्तान से जुड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधियों द्वारा किया जा रहा था। अब तक इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें एक ताइवान का नागरिक भी शामिल है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सिंडिकेट ने अवैध SIMBOX डिवाइसों का इस्तेमाल किया, जो कई SIM कार्ड रखकर अंतरराष्ट्रीय कॉल्स को भारतीय नंबरों के रूप में दिखाते हैं। ये कॉल्स विदेशों (खासकर कंबोडिया) से आती थीं, लेकिन SIMBOX के जरिए स्थानीय दिखाई देती थीं। यानी विदेशी कॉल भी भारत की लोकल कॉल जैसी दिखाई देती है। फ्रॉडस्टर्स ने जानबूझकर 2G नेटवर्क का उपयोग किया ताकि रीयल-टाइम ट्रैकिंग मुश्किल हो जाए। SIMBOX में IMEI नंबरों को ओवरराइट और रोटेट किया जाता था, जिससे एक ही नंबर एक दिन में कई शहरों से आता दिखता था, जिससे जांच एजेंसियां भ्रमित हो जाती थीं।

फॉरेंसिक जांच में 5,000 से ज्यादा कम्प्रोमाइज्ड IMEI नंबर और करीब 20,000 SIM कार्ड इस नेटवर्क से जुड़े पाए गए। पुलिस ने दिल्ली, मुंबई और मोहाली से 22 SIMBOX डिवाइस, मोबाइल फोन, लैपटॉप, राउटर, CCTV कैमरे, पासपोर्ट और विदेशी SIM कार्ड बरामद किए।

जांच और गिरफ्तारी

दिल्ली पुलिस की IFSO यूनिट के डिप्टी कमिश्नर विनीत कुमार ने बताया कि सितंबर में कई शिकायतें मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया और करीब 25 पुलिसकर्मियों की एक विशेष टीम बनाई गई। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4C) और डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशंस (DoT) की मदद से तकनीकी जांच शुरू की गई।

हजारों सुसाइड बॉम्बर तैयार, हिल जाएगी दुनिया

जैश-ए-मोहम्मद चीफ मसूद अजहर ने उगला जहर

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने एक बार फिर अपनी ताकत का दावा करते हुए सनसनी फैला दी है। संगठन के संस्थापक और प्रमुख मौलाना मसूद अजहर की कथित आवाज में एक नया ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस ऑडियो में अजहर कहते नजर आ रहा है कि उसके पास हजारों सुसाइड बॉम्बर (फिदायीन) तैयार हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित किए गए मसूद अजहर का यह दावा ऐसे समय में आया है, जब भारत ने पुलवामा, पठानकोट और हाल के पहलगाम हमले के बाद जैश के ठिकानों पर लगातार सख्त कार्रवाई की है। हालांकि, इस वायरल ऑडियो की प्रामाणिकता

की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और यह जांच का विषय बना हुआ है।

वायरल ऑडियो में मसूद अजहर को अपने कैडर की ताकत के बारे में बड़े-बड़े दावे करते सुना जा सकता है। वह कह रहा है कि उसके पास एक, दो, सौ या एक हजार नहीं, बल्कि इससे कहीं अधिक फिदायीन हैं। वह आगे कहते हैं कि असली संख्या का खुलासा कर देने से पूरी दुनिया में हड़कंप मच जाएगा।

ईरान में कुछ बड़ा करने वाला है अमेरिका?

इजरायल के पास इनपुट, अलर्ट मोड पर देश

ईरान में अमेरिकी हस्तक्षेप की संभावना को लेकर इजरायल अलर्ट मोड में है। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि इजरायली सुरक्षा परामर्शदाताओं ने इस स्थिति पर विस्तृत चर्चा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में बार-बार ईरान में हस्तक्षेप की धमकी दी है और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग न करने की चेतावनी दी है। शनिवार को ट्रंप ने कहा कि अमेरिका मदद के लिए तैयार है। जून में इजरायल और ईरान के बीच 12 दिनों का युद्ध हुआ था, जिसमें अमेरिका ने भी इजयरायल के साथ मिलकर हवाई हमले किए थे। इससे दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। ईरान के परमाणु

कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइलों को लेकर इजरायल लगातार चिंता में है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच शनिवार को फोन पर बातचीत हुई, जिसमें ईरान में संभावित अमेरिकी हस्तक्षेप पर चर्चा हुई। इजरायली सूत्र ने इसकी पुष्टि की, हालांकि अमेरिकी अधिकारी ने बातचीत की पुष्टि तो की लेकिन विषयों का खुलासा नहीं किया। इजरायल ने अभी तक ईरान में प्रदर्शनों में सीधे हस्तक्षेप करने की इच्छा नहीं जताई है। नेतन्याहू ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर ईरान ने इजरायल पर हमला किया तो उसके भयानक नतीजे भुगतने पड़ेंगे। प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'ईरान के अंदर जो हो रहा है, उसे देखना चाहिए।'

ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शन

इजरायली सूत्रों ने उच्च सतर्कता को लेकर विस्तार से जानकारी नहीं दी, लेकिन यह स्पष्ट है कि स्थिति को गंभीरता से लिया जा रहा है। ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन आर्थिक संकट और शासन के खिलाफ असंतोष से उपजे हैं, जो पूरे देश में फैल चुके हैं।

हैदराबाद में मंदिर के बाहर मुस्लिम युवक की शर्मनाक हरकत

हैदराबाद के सफिलगुडा में मंदिर के बाहर एक युवक की शर्मनाक हरकत ने सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा दिया है। भाजपा समेत कई हिंदू संगठनों ने इस घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन किया, इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 26 वर्षीय एक मुस्लिम युवक को गिरफ्तार किया है। हालांकि, इसके बाद भी संगठनों का गुस्सा शांत नहीं हुआ, उन्होंने गिरफ्तारी के बाद भी व्यापक विरोध प्रदर्शन करते हुए, कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी अल्ताफ का एक वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में वह मंदिर के प्रवेश द्वार के ठीक बाहर शौच करता हुआ नजर आता है।

कांग्रेस का विधायक गिरफ्तार

■ रेप के लगातार तीसरे केस में कार्रवाई

कांग्रेस से निष्कासित और पलक्कड़ से विधायक राहुल ममकूटथिल को रविवार तड़के पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी उनके खिलाफ बलात्कार के तीसरे गंभीर मामले में की गई है। पुलिस ने उन्हें पलक्कड़ के एक होटल से रात करीब 1 बजे हिरासत में लिया, जिसके बाद उन्हें पूछताछ के लिए पथनमथिट्टा जिले के पुलिस कैंप ले जाया गया। राहुल ममकूटथिल के खिलाफ ताजा मामला पथनमथिट्टा की एक महिला की शिकायत पर दर्ज हुआ है, जो वर्तमान में कनाडा में रहती है।

महिला ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपना बयान दर्ज कराया।

उसने आरोप लगाया कि ममकूटथिल ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत के अनुसार, जब महिला गर्भवती हुई तो विधायक ने जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया और उसे गर्भपात कराने के लिए धमकाया। साथ ही, विधायक पर महिला से कई बार पैसे लेने का भी आरोप है। दो पिछले मामलों की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) को ही इस तीसरे मामले की जांच सौंपी गई है। एसआईटी प्रमुख जी. पूंगुझाली पूछताछ का नेतृत्व कर रही हैं।

पहला मामला: मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को मिली एक शिकायत के बाद दर्ज हुआ था। इसमें पुलिस के पास एक ऑडियो क्लिप भी है, जिसमें कथित तौर पर ममकूटथिल को गर्भपात के लिए दबाव बनाते सुना जा सकता है।

दूसरा मामला: क्राइम ब्रांच ने दर्ज किया था, जिसमें एक 23 वर्षीय युवती ने विधायक को 'यौन शिकारी' बताते हुए शोषण का आरोप लगाया था।

आरोपों की गंभीरता और बढ़ते कानूनी दबाव को देखते हुए कांग्रेस ने राहुल ममकूटथिल को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ ने इसकी घोषणा की।

नेट प्रैक्टिस के दौरान ऋषभ पंत चोटिल

■ पसली में गेंद लगी, दर्द से कराहते हुए जमीन पर बैठे;

■ न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर

टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को वडोदरा में नेट प्रैक्टिस के दौरान चोट लग गई। शनिवार शाम प्रैक्टिस के दौरान थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट के खिलाफ बल्लेबाजी कर रहे थे। इसी बीच उन्हें पेट की दाहिनी तरफ गेंद लगी। चोट लगने से पंत दर्द से कराहते हुए जमीन पर बैठ गए। टीम का सपोर्ट स्टाफ और मेडिकल स्टाफ उन्हें ग्राउंड से बाहर ले गया।

न्यूज एजेंसी IANS के मुताबिक टीम के डॉक्टर ने जांच की तो पता चला है कि ऋषभ की दाहिनी पसली में चोट लगी है। उसमें खिंचाव आ गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ध्रुव जुरेल या ईशान किशन को मौका दिया जा सकता है।

वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में पहली बार मेंस इंटरनेशनल मैच हो रहा है। दूसरा वनडे 14 जनवरी को राजकोट और तीसरा मैच 18 जनवरी को इंदौर में होगा।

अगस्त 2024 में खेला था 50 ओवर का मैच

पंत पिछले दो साल से भारत की वनडे टीम का हिस्सा हैं, लेकिन उन्होंने आखिरी बार 50 ओवर फॉर्मेट का मैच अगस्त 2024 में श्रीलंका दौरे के समय खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले पंत को टीम से बाहर किए जाने की अटकलें तेज थीं, लेकिन अजीत अगरकर की अगुआई वाली सिलेक्शन कमेटी ने उन्हें टीम में बरकरार रखा।

सहमति वाला प्यार अपराध नहीं

SC ने सुझाया 'रोमियो-जूलियट' क्लॉज; टीनएज लवर्स को मिलेगी राहत?

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए बनाए गए POCSO अधिनियम के बढ़ते दुरुपयोग पर गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि यह कानून बच्चों की सुरक्षा के लिए एक पवित्र और नेक इरादे का प्रतीक है, लेकिन कई मामलों में यह बदले की भावना से इस्तेमाल किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि इन कानूनों का खासकर उन मामलों में तेजी से दुरुपयोग हो रहा है जहां किशोरों (टीनएजर्स) के बीच सहमति से बने रिश्तों को कठोर आपराधिक कार्रवाई के तहत लाया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने केंद्र

सरकार से इस समस्या पर गंभीरता से विचार करने और ऐसे मामलों में राहत देने के लिए 'रोमियो-जूलियट क्लॉज' लाने पर विचार करने को कहा है, ताकि वास्तविक किशोर जोड़ों को अनावश्यक आपराधिक मुकदमों से बचाया जा सके।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले में दिए गए व्यापक निर्देशों को रद्द करते हुए केंद्र सरकार से 'रोमियो-जूलियट क्लॉज' शामिल करने पर विचार करने का सुझाव दिया है। यह क्लॉज उन वास्तविक किशोर संबंधों को कानून की कठोरता से बचाने का प्रावधान देगा, जहां दोनों पक्ष सहमति से रिश्ते में हों और उम्र में मामूली अंतर हो।

क्या था इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला?

शीर्ष अदालत की ये टिप्पणी उत्तर प्रदेश राज्य बनाम अनुरुद्ध मामले में आई, जहां इलाहाबाद हाईकोर्ट ने POCSO के एक मामले में आरोपी को जमानत देते हुए राज्यभर में लागू होने वाले कुछ निर्देश जारी किए थे। इनमें शामिल था कि हर POCSO मामले की जांच की शुरुआत में पीड़िता की उम्र का मेडिकल टेस्ट अनिवार्य रूप से कराया जाए और अदालतें स्कूल या जन्म प्रमाणपत्रों पर संदेह होने पर जमानतें खारिज कर सकती हैं।

तेजस्वी लंबी छुट्टी बाद पटना लौटे

पटना. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव करीब डेढ़ महीने बाद रविवार को पटना लौटे। सपरिवार विदेश यात्रा पर गए तेजस्वी पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम सरकार को 100 दिनों का समय देते हैं। महिलाओं के खाते में दो लाख दिए जाएं। अपराध कम हो और रोजी रोजगार के वायदे पूरा हो। सरकार ने जो भी घोषणा पत्र में वादे किए थे, वो पूरा करे।

उन्होंने एक बार फिर बिहार विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। जनतंत्र को इन लोगों ने धनतंत्र और मशीन तंत्र बना दिया है। क्या षडयंत्र रचा गया, सबको पता है। छल-कपट से चुनाव जीते। बिहार की नई सरकार

कैसे बनी पूरा देश जानता है। तेजस्वी ने कहा कि हम सकारात्मक राजनीति करते हैं इसलिए 100 दिन तक सरकार की नीति ओर निर्णय पर कुछ नहीं बोलेंगे।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि देखते हैं कब हमारी माता-बहनों को दो-दो लाख रुपये दिए जाते हैं। कब एक करोड़ युवाओं को नौकरी दी जाती है। हर जिले में चार-पांच कारखाने कब लगते हैं।

आज भी फोन और इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं करते हैं अजीत डोभाल

■ खुद खोले और भी कई राज

नई दिल्ली. आज के दौर में जहां मोबाइल फोन और इंटरनेट जीवन की अनिवार्य जरूरत बन चुके हैं, वहीं भारत के सबसे ताकतवर सुरक्षा विशेषज्ञों में से एक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एनएसए (NSA) अजीत डोभाल ने अपनी एक अनूठी आदत से सबको चौंका दिया है।

शनिवार को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026' के उद्घाटन सत्र में उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए बताया कि वे आज भी मोबाइल

फोन और इंटरनेट का उपयोग नहीं करते हैं। डोभाल ने कहा, 'फोन और इंटरनेट ही संवाद के एकमात्र माध्यम नहीं हैं। संपर्क करने के ऐसे कई अन्य तरीके हैं जिनके बारे में ज्यादातर लोगों को पता तक नहीं है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि वे केवल विशेष परिस्थितियों में ही फोन का उपयोग करते हैं, जैसे कि विदेश में रहने वाले लोगों या अपने परिवार से बात करने के लिए। उन्होंने युवाओं को धैर्य का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि संदेश हमेशा ईमानदारी से संप्रेषित होने चाहिए, न कि प्रोपेगेंडा के माध्यम से।

अजीत डोभाल भारत के 5वें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। 1945 में उत्तराखंड में जन्मे डोभाल केरल कैडर के रिटायर्ड IPS अधिकारी हैं। उनके नाम कई ऐसी उपलब्धियां दर्ज हैं जो किसी फिल्म की पटकथा जैसी लगती हैं। वे भारत के इतिहास में 'कीर्ति चक्र' पाने वाले सबसे युवा पुलिस अधिकारी हैं। सितंबर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक की योजना बनाने और उन्हें सफलतापूर्वक अंजाम देने में उनकी मुख्य भूमिका रही है। डोकलाम विवाद को सुलझाने और पूर्वोत्तर भारत में उग्रवाद को खत्म करने में उन्होंने कड़ा रुख अपनाया।

पाकिस्तान में 7 साल 'अंडरकवर'

अजीत डोभाल का करियर हैरतअंगेज कारनामों से भरा रहा है। कहा जाता है कि उन्होंने पाकिस्तान में एक 'अंडरकवर' एजेंट के रूप में 7 साल बिताए, जहां उन्होंने चरमपंथी समूहों की खुफिया जानकारी इकट्ठा की। इसके बाद उन्होंने इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग में 6 साल तक काम किया। 1971 से 1999 के बीच उन्होंने इंडियन एयरलाइंस के कम से कम 15 अपहरण मामलों को सुलझाया। 1999 के कुख्यात कंधार कांड (IC-814) में वे मुख्य वार्ताकारों में से एक थे। मिजोरम और पंजाब में आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ उन्होंने जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाई।

युवा नेताओं को संबोधित करते हुए डोभाल ने भावुक होकर कहा कि भारत ने अपनी आजादी के लिए बहुत भारी कीमत चुकाई है। कई पीढ़ियों ने इसके लिए नुकसान और कठिनाइयां झेली हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे भारत के समृद्ध इतिहास और उसकी उन्नत सभ्यता से प्रेरणा लें और देश के मूल्यों, अधिकारों और विश्वासों के आधार पर एक शक्तिशाली भारत का निर्माण करें।

संक्षेप...

पुलिस ने 4.71 कीमत की 157 गैर-कानूनी ई-सिगरेट ज़ब्त की

मुंबई. मुंबई क्राइम ब्रांच (यूनिट 2) ने 44 साल के एक आदमी हामिद रज़ा सफ़र अली करीमी को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि उसने साउथ मुंबई के एक रेस्टोरेंट से बैन इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट स्टॉक करके बेचीं। आरोपी के पास से 4.71 लाख रुपये की 157 गैर-कानूनी ई-सिगरेट मिलीं, जिसके बाद प्रोहिबिशन ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट एक्ट, 2019 के तहत केस दर्ज किया गया। सूचना मिलने पर रेड की गई यह रेड 7 जनवरी, 2025 को पुलिस इंस्पेक्टर दिलीप तेजनकर को मिली एक टिप के बाद की गई, जिसमें बताया गया था कि करीमी कंबाला हिल, कुंबल्ला हिल में मौजूद "लाइट ऑफ़ पर्शिया" रेस्टोरेंट से बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी ई-सिगरेट का धंधा चला रहा था।

विकास के दम पर चौका मारेंगे

- **उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का संकल्प**

कल्याण. आगामी 15 तारीख को होने वाले महानगरपालिका चुनाव में कल्याण–डोंबिवली महानगरपालिका पर महायुति का भगवा जरूर फहरेगा, ऐसा दृढ़ विश्वास उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने व्यक्त किया। महायुति ने इस चुनाव में नया इतिहास रचने का संकल्प लिया है और जनता का फैसला विकास के पक्ष में ही आएगा, ऐसा भी उन्होंने कहा। वे कल्याण पूर्व में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। शिंदे ने कहा कि कल्याण–डोंबिवली में महायुति की 21 सीटें निर्विरोध आई हैं, जो महायुति पर जनता के विश्वास का प्रतीक है। कल्याण–डोंबिवली महायुति का गढ़ है और यहां के कामों के लिए निधि की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। साथ ही, विकास कार्यों की ताकत पर, उन कामों की पावती के रूप में महानगरपालिका में महायुति का भगवा फहरेगा, ऐसा उन्होंने विश्वास जताया।

कल्याण–डोंबिवली का बदलता स्वरूप

कल्याण–डोंबिवली महानगरपालिका में पिछले कई वर्षों से महायुति की सत्ता है और इसी कालखंड में शहर में बड़े पैमाने पर विकास कार्य हुए हैं। वर्तमान में 20 से अधिक उम्मीदवार निर्विरोध चुने जा रहे हैं और कई स्थानों पर विपक्ष अप्रत्यक्ष रूप से महायुति के उम्मीदवारों का समर्थन करता हुआ दिखाई दे रहा है। सांसद श्रीकांत शिंदे ने कल्याण–डोंबिवली के लिए करोड़ों रुपये का विकास निधि उपलब्ध कराया है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण परियोजना लगभग 800 करोड़ रुपये की कल्याण रेलवे यार्ड रिमॉडेलिंग है। केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना से कल्याण स्टेशन के पूर्वी भाग का कायाकल्प होगा और रेलवे फाटकों की समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी। इससे यात्रियों का समय बचेगा और लोकल सेवाओं की संख्या में वृद्धि होगी। कल्याण–शिलफाटा रोड पर मेट्रो का कार्य तेज़ी से जारी है और आने वाले कुछ महीनों में नागरिकों को मेट्रो यात्रा का लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर उन्होंने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा, 'जिनके पास चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार नहीं हैं, वे हमारे कामों की आलोचना कर रहे हैं। जिनकी लंगोटी फट चुकी है, वे हमारी पगड़ी गिराने की कोशिश कर रहे हैं। पहले आत्ममंथन करें, फिर आलोचना करें।

चुनाव आयोग, ईवीएम और मतदाता सूचियों पर हार के बाद संदेह जताने की प्रवृत्ति पर भी उन्होंने निशाना साधा। जीतने पर आयोग अच्छा और हारने पर सब कुछ गलत — यही दोहरी भूमिका हार का कारण बनती है, ऐसा शिंदे ने कहा। 'लाडकी बहिण' योजना का उल्लेख करते हुए शिंदे ने बताया कि इस योजना के माध्यम से हर वर्ष लगभग 45 हजार करोड़ रुपये सीधे महिलाओं के खातों में जमा किए जा रहे हैं। इस योजना से आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान मिला है। हम सोने का चम्मच लेकर पैदा नहीं हुए, लेकिन महाराष्ट्र के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के जीवन में सुनहरे दिन लाने के लिए हमारा जन्म हुआ है, ऐसा उन्होंने दृढ़ता से कहा।

उल्हासनगर में 24 घंटे शिकायत निवारण कक्ष

- **आचार संहिता उल्लंघन होने पर सीधे कॉल करें**
- **प्रशासन की नागरिकों से अपील**

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले ने एक अहम फ़ैसला लिया है ताकि यह पक्का किया जा सके कि आचार संहिता

लागू होने के दौरान कोई भी शिकायत नज़रअंदाज़ न हो और चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी, शांतिपूर्ण और भरोसेमंद बनी रहे। आने वाले आम चुनावों को देखते हुए, म्युनिसिपल हेडक्वार्टर में 24 घंटे शिकायत निवारण सेल चालू कर दिया गया है, और नागरिकों को सीधे शिकायत दर्ज करने की सुविधा दी गई है।

राज्य चुनाव आयोग ने उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन आम चुनाव 2025-26 का प्रोग्राम घोषित कर दिया है और 15 जनवरी, 2026 को सीधे वोटिंग होगी। म्युनिसिपल प्रशासन ने इस दौरान लागू मॉडल कोड ऑफ़ कंडक्ट को सख्ती से लागू करने और कोड ऑफ़ कंडक्ट उल्लंघन की शिकायतों पर तुरंत और असरदार कार्रवाई पक्का करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। म्युनिसिपल हेडक्वार्टर में 24 घंटे शिकायत निवारण सेल बनाया गया है। इस सेल के ज़रिए आचार संहिता से जुड़ी शिकायतें तुरंत दर्ज की जाएंगी और उस पर ज़रूरी कार्रवाई की जाएगी। लोगों की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर 18002331101 और 18002331103, साथ ही (0251) 2720149 / 2720143 भी उपलब्ध कराए गए हैं। शिकायतों के निपटारे के लिए

फ्लाइंग स्क्वॉड तैयार रखे गए हैं, और तय स्क्वॉड हेड और कर्मचारी अलग-अलग शेड्यूल पर पूरे शहर में काम करेंगे। प्रशासन ने साफ़ किया है कि सुबह, दोपहर, शाम और रात हर समय शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। डिप्टी कमिश्नर (इलेक्शन) विशाखा मोटघरे की दी गई जानकारी के मुताबिक, संबंधित विभागों को यह नोटिस नगर निगम की वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर पब्लिश करना ज़रूरी है।

साथ ही, पब्लिकेशन के बारे में एक रिपोर्ट चुनाव विभाग को देने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस बीच, शहर के लोगों से अपील की गई है कि अगर उन्हें कहीं भी आचार संहिता का उल्लंघन दिखे तो तुरंत दिए गए नंबरों पर संपर्क करें और उन्हें बताएं। प्रशासन ने भरोसा जताया है कि लोगों की सक्रिय भागीदारी और प्रशासन की मुस्तैदी से चुनाव प्रक्रिया ज़्यादा पारदर्शी और शांति से होगी।

विकास के लिए सीटी को करें मतदान

- **लता राजू गाजेंगी को मिल रहा भारी जनसमर्थन**

भिवंडी. भिवंडी मनपा चुनाव प्रचार में सभी उम्मीदवारों ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है. भिवंडी मनपा शिक्षण मंडल पूर्व सभापति, अखिल पद्मशाली समाज के वरिष्ठ नेता राजू गाजेंगी की धर्मपत्नी लता गाजेंगी प्रभाग 22 (अ) से विकास के मुद्दे को लेकर चुनाव मैदान में उतरी हैं.वे तेलगु,उत्तर भारतीय परप्रांतीय समर्थकों की टीम के साथ चुनाव प्रचार में जुटी हैं. 15 जनवरी को चुनाव जीतकर अविलंब जन समस्याओं के समाधान का वादा करने वाली सीटी चुनाव निशान की स्वच्छ छवि प्रत्याशी लता राजू गाजेंगी सर्वांगीण विकास का भरोसा देकर मतदाताओं से बहुमूल्य वोट (सीटी) पर किए जाने की अपील कर रही हैं.

चुनाव निशान सीटी प्रत्याशी लता के पति पूर्व शिक्षण सभापति राजू गाजेंगी ने चुनाव में खड़े भाजपा प्रत्याशियों पर कड़ा तंज कसते हुए कहा कि, विगत 8 वर्षों में स्वच्छ पानी, गटर,शौचालय सड़क साफ सफाई,हेल्थ,शिक्षा जैसे गंभीर मुद्दे पर ध्यान नहीं देकर जनता को दुखी करने वाले प्रत्याशी आज पानी, सड़क, शौचालय, एंबुलेंस, बराला देवी तालाब के सौंदर्यीकरण की बात कहकर मतदाताओं को गुमराह करने में जुटे हैं.भाजपा प्रत्याशी के कारनामों के कारण ही मानसरोवर में एसटीपी प्लांट का निर्माण हुआ है जिससे क्षेत्रीय लोगों को आगामी दिनों में भारी तकलीफ होने के आसार से इनकार

नहीं किया जा सकता है.भाजपा प्रत्याशी क्षेत्र के प्रबुद्ध मतदाताओं को गुमराह कर वोट लेने की कवायद कर रहे हैं.जनता सब कुछ जानती है.जनता अब किसी के बहकावे में कदापि नहीं आएगी.लता गाजेंगी मनपा चुनाव जीतकर प्रभाग 22 (अ) क्षेत्र में स्वच्छ पानी आपूर्ति, सड़क, शौचालय, गटर, वराला देवी तालाब की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिसर स्वच्छता, बच्चों का खेल पार्क, हाईमास्क लाइटें, बुजुर्गों को सीनियर सिटीजन क्लब, उत्कृष्ट स्कूल,युवाओं को जिम,लाइब्रेरी जैसी मूलभूत सुविधा मुहैया कराए जाने के लिए कृतसंकल्प होकर कार्य करेंगी.प्रभाग 22 (अ) सीटी प्रत्याशी लता गाजेंगी के प्रति वोटरों का एकतरफा झुकाव होने से विरोधियों की नींद हराम होने लगी है.

अखिल पद्मशाली समाज का खुला समर्थन

अखिल पद्मशाली समाज उपाध्यक्ष भरत गालीपेल्ली सहित समाज के तमाम वरिष्ठ समाजसेवियों द्वारा लता राजू गाजेंगी के पक्ष में खुला प्रचार किए जाने से समूचा तेलुगू समाज प्रचार में जुटा है .समूचा तेलुगू समाज, उत्तर भारतीय, बिहारी समाज की पहली पसंद की प्रत्याशी के रूप में समूचे क्षेत्र में लता गाजेंगी का नाम मतदाताओं के मुख पर आने से विरोधियों के सपनों पर पानी फिरता नजर आने लगा है . विकास की प्रतीक सीटी निशान प्रत्याशी लता राजू गाजेंगी चुनाव प्रचार में तमाम विरोधियों को पछाड़कर काफी आगे निकल चुकी हैं .

अखिल पद्मशाली तेलुगू समाज की समर्थन सभा में बोले वरिष्ठ समाजसेवक कृष्णा रा.गाजेंगी

प्रभाग नंबर 1 का होगा चहुंमुखी विकास

भिवंडी. 15 जुलाई को होने वाले भिवंडी मनपा चुनाव को लेकर महायुति उम्मीदवारों का प्रचार अभियान तेज हो गया है. प्रभाग 1से भाजपा प्रत्याशी मीत चौगुले,पद्मा कृष्णा गाजेंगी सहित अन्य प्रत्याशियों के समर्थन में गांव देवी मंदिर प्रांगड़ में हुई चुनाव सभा में अखिल पद्मशाली तेलुगू समाज ने पूर्ण समर्थन का भरोसा देकर महायुति उम्मीदवारों को जिताने का संकल्प लिया.समर्थन सभा को संबोधित करते हुए कमल निशान भाजपा प्रत्याशी पद्मा गाजेंगी के पति वरिष्ठ समाजसेवक कृष्णा रा.गाजेंगी ने तेलगु समाज की वरिष्ठ हस्तियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि,अखिल पद्मशाली तेलुगू समाज शहर के विकास में हमेशा साथ रहा है.समाज की शिक्षा,रोजगार,उद्योग जैसी तमाम समस्याओं को मनपा स्तर सहित सरकार तक पहुंचाकर समाधान किए जाने का भरपूर प्रयास किया जाएगा.मेरा परिवार समाज के सुख दुख में हमेशा शामिल रहा है,आपके आशीर्वाद से चुनाव जीतकर हमेशा जनहित कार्यों को अंजाम दिया जाएगा.उन्होंने विरोधियों की चाल में नहीं फंसने से आगाह करते हुए कहा कि,अखिल पद्मशाली तेलगु समाज किसी के बहकावे में नहीं आकर केवल भाजपा को मतदान कर वर्षों से क्षेत्र

के रुके हुए विकास कार्यों को पूर्ण करने में सहयोग करें. उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि,चुनाव जीतने के फौरन बाद वर्षों से पानी की खातिर दुख भोग क्षेत्रवासियों की समस्या का समाधान होगा. उक्त अवसर पर अखिल पद्मशाली समाज के वरिष्ठ समाजसेवक सोमेश्वर चिटटीमल्ले, लक्ष्मण मंथेन, श्रीनिवास श्रीमल्ले,नरेंद्र वेंगल, व्यंकटेश बुरेली, कृष्णा गाजेंगी, एड व्यंकटेश चिटकेन,श्रीधर रुद्रा,राजू कोमाटी,राजू पोतन, व्यंकटेश गालीपेल्ली, सिद्धेश्वर मलीपेटी सहित तेलुगू समाज के गणमान्य बुजुर्ग, पुरुष, महिला, युवा मतदाता, समर्थक भारी तादाद में मौजूद थे.

विकास का मुद्दा सब पर भारी

प्रभाग 1 से भाजपा 'कमल' दमदार प्रत्याशी पद्मा कृष्णा गाजेंगी अपने पति कृष्णा गाजेंगी और परिजनों संग क्षेत्रीय विकास एजेंडे पर मतदाताओं से हाथ जोड़कर समर्थन मांग रही हैं.समाजसेवी बाला शेलार, नागेश झम्पाल,अजय पाटिल, शेखर कडू,व्यंकटेश गालीपेल्ली,अशोक पालंडे,उपेन्द्र नल्ला,कोंडा गाजेगी,संजय पाटिल आदि समर्थकों की टीम चुनाव प्रचार की कमान संभाले हुए प्रचार में जुटी है.

आचार संहिता भंग कर तलवार लहराने वाले 26 पर आपराधिक मामला दाखिल

भिवंडी. मनपा चुनाव आचार संहिता भंग कर दारू पीकर तलवार नचा कर दहशत फैलाने वाले 26 लोगों पर निजामपुर पुलिस ने मामला दाखिल किया है. कोंबड पाडा गावदेवी मंदिर परिसर में 26 लोग दारू पीकर परिसर में दहशत फैलाने की खबर निजामपुर पुलिस को मिली थी.पुलिस ने तत्परता से मौके पर घेरेबंदी कर रोहित व्यंकटेश नेडिमेटला, दयाशंकर श्रीराम ताला सहित भिवंडी, आंबिवली, कल्याण व टिटवाला परिसर से आए 26 लोगों पर आपराधिक मामला दाखिल किया है.पुलिस ने उनके पास से 2 लोखंडी तलवार जप्त किया है.पुलिस ने मामला दाखिल कर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही का नोटिस दिया है.उक्त जानकारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विश्वास डगले ने दी है.

ज़िंदगी एक ही है, फूल की तरह जियो -श्रेयस तलपदे

- **सड़क सुरक्षा सप्ताह - 2026 का उद्घाटन**

ठाणे. इंसान गलतियों से सीखते हैं, लेकिन हम खुद को आग समझते हैं, लेकिन यह ज़िंदगी एक ही है। इसलिए, आग की तरह मत जलो, फूल की तरह जियो, नियमों का पालन करो सिग्नल देखते ही रुक जाओ! यह पुष्पा स्टाइल सिने एक्टर श्रेयस तलपदे ने दिया।सड़क सुरक्षा सप्ताह - 2026 के सिलसिले में ठाणे पुलिस ट्रैफिक विभाग द्वारा लागू किए गए कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। उस समय एक्टर तलपदे ने युवाओं को यह संदेश दिया।पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे ने कहा कि इस कार्यक्रम के मौके पर यह संदेश जनता तक अच्छे तरीके से पहुंचा है कि इस पीढ़ी के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन करना कितना ज़रूरी है।वहीं मनपा आयुक्त सौरभ राव ने विश्वास व्यक्त किया कि जीवन में आगे बढ़ते हुए एक मानसिक ब्रेक सभी की सुरक्षा के लिए एक अच्छा ब्रेक है अगर इस नियम का पालन करते हैं, तो दुर्घटनाओं को निश्चित रूप से टाला जा सकता है।

इस बीच, कार्यक्रम के अंत में एक्टर श्रेयस तलपदे ने सभी उपस्थित लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के निर्देशानुसार, संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ.ज्ञानेश्वर चव्हाण के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा अभियान - 2026 के विषय में ठाणे पुलिस आयुक्तालय के ट्रैफिक विभाग द्वारा कार्यान्वित अभियान का उद्घाटन शनिवार को राम गणेश गडकरी रंगायतन में किया गया। इस अवसर पर उद्यमी सवार अभिजीत गानू,ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाठ, एनएसएस प्रो. विनय विचारे सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और सड़क सुरक्षा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बदलापुर MIDC में सिलसिलेवार धमाके

- **नोटिस देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं**

बदलापुर. बदलापुर ईस्ट के MIDC इलाके में बुधवार (7) शाम को पैसिफिक ऑर्गेनिक केमिकल कंपनी में हुए ज़बरदस्त धमाकों से पूरा शहर दहल गया है। आग नौ घंटे से जल रही थी। आरोप है कि बार-बार धमाके और आग लगने की घटनाओं के बावजूद प्रशासन सिर्फ़ नोटिस से खेल रहा है, इसलिए बदलापुरकर अब 'ज़िंदा बम' के साये में जी रहे हैं।

कंपनी के केमिकल रिएक्टर में शाम करीब 7:30 बजे पहला धमाका हुआ। उसके बाद, धमाकों का सिलसिला शुरू हो गया, जिसकी आवाज़ चार से पांच किलोमीटर दूर तक सुनी जा सकती थी। बदलापुर, अंबरनाथ और उल्हासनगर फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सुबह 4 बजे तक आग पर काबू पा लिया। किस्मत से, दिन में काम कर रहे कर्मचारी बच गए क्योंकि घटना शाम को हुई, लेकिन कंपनी पूरी तरह राख हो गई है। पिछले चार-पांच सालों से पैसिफिक ऑर्गेनिक, नोवा ओलियो और ईस्टर जैसी कंपनियों पर एडमिनिस्ट्रेटिव निष्क्रियता की मार पड़ रही है। फैक्ट्री इंस्पेक्टर, महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और इंडस्ट्रियल सेफ्टी डिपार्टमेंट ने पहले नोटिस जारी किए थे; लेकिन कोई ठोस एक्शन नहीं लिया गया। कंपनी से सिर्फ 500 मीटर की दूरी पर बड़े हाउसिंग कॉम्प्लेक्स हैं। धमाके के बाद फैले ज़हरीले धुएं से लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया।

पॉल्यूशन भी एक समस्या

सिर्फ आग ही नहीं, MIDC की दूसरी कंपनियों के मिसमैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं। सोशल वर्कर युवराज गीध ने आरोप लगाया कि MIDC की कुछ कंपनियां बिना ट्रीट किए सीवेज सीधे नदी में छोड़ रही हैं। इसलिए, लोग गुस्से में पूछ रहे हैं कि एडमिनिस्ट्रेशन चुप क्यों है, जबकि उसके पास फैक्ट्रीज़ एक्ट 1948 और एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन एक्ट 1986 के तहत एक्शन लेने का अधिकार है।

बदलापुरकरों के सवाल

कई सवाल पूछे जा रहे हैं, जैसे बार-बार धमाके होने के बावजूद कंपनी के लाइसेंस कैंसिल क्यों नहीं किए गए, इतनी खतरनाक कंपनियों को रिहायशी इलाकों के पास कैसे आने दिया गया, हवा में फैले ज़हरीले धुएं से सेहत को हुए नुकसान के लिए कौन ज़िम्मेदार है। साथ ही, प्रशासन की लापरवाही और कंपनियों की मुनाफाखोरी के कारण बदलापुरकरों की जान खतरे में है। इसकी भी आलोचना हो रही है कि यह आग नहीं बल्कि प्रशासनिक सिस्टम की नाकामी है।

स्वीटी के रोल में फिर नजर आएंगी श्रिया पिलगांवकर

एक्ट्रेस ने 'मिर्जापुर द फिल्म' की शूटिंग शुरू की

वेब सीरीज मिर्जापुर पर फिल्म बनाई जा रही है, जिसका नाम मिर्जापुर द फिल्म रखा गया है। फिल्म से जुड़ी नई जानकारी यह सामने आई है कि इसमें एक्ट्रेस श्रिया पिलगांवकर भी नजर आएंगी।

दरअसल, श्रिया ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर जानकारी दी कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। एक्ट्रेस ने फिल्म से जुड़ी दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में फिल्म का क्लैपबोर्ड दिखाई दे रहा है, जबकि दूसरी तस्वीर में श्रिया अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, दिव्येंदु शर्मा, पंकज त्रिपाठी, रसिका दुग्गल समेत अन्य कलाकारों के साथ नजर आ रही हैं।

पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, '8 साल बाद... सोचिए कौन मौत के मुंह से वापस लौटा है। मिर्जापुरः द फिल्म। फिलहाल शूटिंग चल रही है। जल्द मुलाकात होगी।'

बता दें कि श्रिया ने मिर्जापुर के सीजन वन में स्वीटी गुप्ता का किरदार निभाया था। इस किरदार की हत्या पहले सीजन में हो जाती है। हालांकि, अब एक बार फिर श्रिया फिल्म में स्वीटी के रोल में नजर आएंगी।

'मिर्जापुरः द फिल्म' को इस साल सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में पंकज त्रिपाठी (कालीन भैया), अली फजल (गुड्डू पंडित), दिव्येंदु (मुन्ना त्रिपाठी), अभिषेक बनर्जी और जितेंद्र कुमार जैसे प्रमुख कलाकार नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं, जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है।

इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है। सिनेमाघरों में रिलीज के करीब आठ हफ्ते बाद फिल्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। फिल्म की शूटिंग सितंबर 2025 में शुरू हुई थी।

प्रिंसिपल के खिलाफ चुनाव के ऑर्डर देने से मना करने पर मामला दर्ज

ठाणे. आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने बताया कि राज्य चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार, 15 जनवरी, 2026 को होने वाले ठाणे मनपा के आम चुनाव के लिए पोलिंग स्टेशनों पर काम करने के लिए चुनाव विभाग द्वारा जारी ऑर्डर को मना करने पर ठाणे के रेनबो इंटरनेशनल स्कूल के प्रिंसिपल के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।मतदान प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अलग-अलग सरकारी-सेमी-सरकारी संस्थानों के साथ-साथ प्राइवेट स्कूलों के टीचरों और कर्मचारियों को पोलिंग स्टेशनों पर नियुक्त किया गया है। इस संदर्भ में, जब चुनाव विभाग के कर्मचारी नियुक्ति ऑर्डर देने के लिए ठाणे के रेनबो इंटरनेशनल स्कूल गए, तो स्कूल की प्रिंसिपल विमलेश सिंधु ने ऑर्डर मानने से साफ मना कर दिया। उसके बाद, दूसरी बार आधिकारिक तौर पर ऑर्डर जारी किया गया, लेकिन फिर भी स्कूल ने ऑर्डर लागू नहीं किया। इस पर ठाणे मनपा प्रशासन ने एक नोटिस जारी किया, जिसे भी स्कूल ने मानने से मना कर दिया। चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करना कानूनन अनिवार्य है और मतदान करना राष्ट्रीय कर्तव्य है। मनपा चुनाव विभाग ने जानबूझकर इस कर्तव्य का उल्लंघन करने और चुनाव कार्य में बाधा उत्पन्न करने के लिए रेनबो इंटरनेशनल स्कूल के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। पुलिस विभाग द्वारा संबंधित प्रिंसिपल और स्कूल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 223 और अन्य संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।चुनाव कार्य में बाधा डालना, आदेशों का उल्लंघन करना और सरकारी कर्मचारियों को उनके कर्तव्य पालन करने से रोकना गंभीर और दंडनीय अपराध हैं, और यह स्पष्ट किया गया है कि मनपा प्रशासन ने ऐसे मामलों में सख्त रुख अपनाया है।इस बीच, सभी शैक्षणिक संस्थानों, निजी प्रतिष्ठानों और नागरिकों को चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन के साथ सहयोग करना चाहिए। आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि चुनाव कार्य के लिए नियुक्त कर्मचारी 14 और 15 जनवरी 2026 को अनुपस्थित रहते हैं, तो उन्हें सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

कर्मचारियों ने पोस्टल मतदान के लिए दिया अच्छा प्रतिसाद

- **1945 पोस्टल बैलेट पेपर मिले**

ठाणे. चुनाव के दिन पोलिंग बूथों पर काम करने वाले सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ पुलिस को भी अपने मतदान के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए पोस्टल मतदान की सुविधा दी गई है।

आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने बताया कि इस पोस्टल मतदान को अधिकारियों और कर्मचारियों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और अब तक चुनाव रिटर्निंग अधिकारी को कुल 1945 पोस्टल बैलेट पेपर मिल चुके हैं।ठाणे मनपा ने आम चुनाव 2025-26 के लिए मनपा के 9 प्रभाग समिति के हिसाब से चुनाव रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किए हैं और वहीं पर पोस्टल बैलेट पेपर भी लिए जा रहे हैं। अब तक चुनाव के दिन काम करने वाले 1292 कर्मचारियों और 653 पुलिस कर्मियों से पोस्टल बैलेट पेपर मिल चुके हैं। पोस्टल मतदान की प्रक्रिया 12 जनवरी तक जारी रहेगी और प्रशासन ने चुनाव के काम में लगे कर्मचारियों से इस सुविधा का फायदा उठाने की अपील की है।आयुक्त ने कहा कि डाक मतपत्र स्वीकार करते समय पूरी प्रक्रिया चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार की जा रही है और सुरक्षा, पंजीकरण और सीलबंद के संबंध में विशेष सावधानी बरती जा रही है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099